राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश | राजस्थान | हरियाणा | छत्तीसगढ़ | महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 गौतम गंभीर भारतीय टीम से जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौ | सम्पादकीय राष्ट्रपति बनने से पहले ही ट्रंप की भारत समेत ब्रिक्स | पाकिस्तान टीम ने पहली बार ब्लाइंड टी20 5

वर्ष 18 ● अंक 318 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | ग्वालियर, बुधवार 04 दिसम्बर 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा-तारीख पर तारीख के दिन खत्म

प्रधानमंत्री ने नये कानूनों को लागू करने की समीक्षा की

आई.एन.एस.

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (3 दिसंबर) को चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में 3 नए कानूनों को लागू करने की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी उनके साथ रहे। यहां उन्होंने चंडीगढ़ में लागू किए गए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का डेमो भी देखा।

पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में कहा कि नए कानूनों के बाद हमें अंग्रेजों के जमाने के गुलाम क्रिमिनल सिस्टम से छुटकारा मिल गया है। अब तारीख पर तारीख का खेल खत्म हो गया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब तारीख पर तारीख के दिन लद गए यानी खत्म हो गए हैं। नए कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आने वाली कानूनी अड़चन दूर होगी।

लोगों ने सोचा, अंग्रेज चले गए तो उनके कानूनों से मुक्ति मिलेगी

पीएम मोदी ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ देश में 1857 में विद्रोह शुरू हुआ था। उसके बाद 1860 में अंग्रेजों ने आईपीसी बनाई। इन कानूनों का मकसद भारतीय को दंड देना, उन्हें गुलाम बनाना था। कई लोगों के बलिदान के बाद 1947 में देश को आजादी मिली। जब आजादी की सुबह आई तो कैसे-कैसे सपने थे, लोगों में कितना उत्साह था। लोगों ने सोचा था कि अंग्रेज चले गए हैं तो अंग्रेजों के कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी। यह कानून अंग्रेजों के शोषण करने का जरिया थे, जिनसे वह भारत में अपनी सत्ता मजबूत करना चाहते थे।

आजादी के बाद भी गुलामों के लिए बने कानून ढोते रहे

मोदी ने आगे कहा कि देश की आजादी के दशकों के बाद भी हम उसी दंड संहिता के इर्द-गिर्द घूमते रहे। हालांकि इन कानूनों में थोड़ा-बहुत बदलाव जरूर हुआ, लेकिन इनका चरित्र वही बना रहा। आजाद देश में गुलामों के लिए बने कानूनों को क्यों ढोया जाए, न हमने यह बात उनसे पूछी, न ही शासन कर रहे लोगों ने समझी। इन्होंने भारत की विकास यात्रा को प्रभावित किया। देश अब उस गुलामी से बाहर निकले। इसके लिए राष्ट्रीय चिंतन आवश्यक था।

देवता हमारे यज्ञ की आहुति कई जन्मों के पुण्य के बाद स्वीकारते हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री 251 कुण्डीय महायज्ञ में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देवी-देवताओं का पूजन-अर्चन हमारी संस्कृति रही है। कई जन्मों के पुण्य के बाद देवता हमारे यज्ञ की आहुति स्वीकारते है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बालाघाट के सरदार पटेल विश्वविद्यालय में आयोजित 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा नवीन शिक्षा नीति में भारत की गौरवशाली इतिहास एवं हमारी संस्कृति तथा आदर्शों को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि नवीन शिक्षा नीति में किये गये

प्रावधान अनुसार यदि कोई भी व्यक्ति अब गायत्री मंत्र के मर्म एवं महिमा में पीएचडी करना चाहे तो कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गायत्री परिवार के नशामुक्ति, नारी सशक्तिकरण जैसे जनजागृति अभियानों से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का आहवान किया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर डॉ. चिन्मय पाण्ड्या ने आयोजन की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्य मंत्री श्री लखन पटेल, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्री गौरव पारधी, विधायक राजकुमार करांहे, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, पूर्व मंत्री श्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व सांसद श्री ढालसिंह बिसेन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गायत्री परिवार के पदाधिकारी की उपस्थिति रहीं।

सीएम ने कहा- स्टार्ट-अप और वोकल-फॉर-लोकल के स्वदेशी भाव ने देश की अर्थव्यवस्था को किया इंग्लैंड से आगे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी स्टार्ट-अप, मेक-इन-इंडिया और वोकल-फॉर-लोकल के प्रेरणादायक आह्वान ने देश में उद्यमिता के पुनर्जागरण की अलख जगाई है। भारत आज इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को बालाघाट में स्वदेशी मेले को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने मेले में शासकीय विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही युवाओं को ऑफर लेटर और दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उपस्थित युवाओं से संवाद किया। स्वदेशी विचारक श्री भैया जी जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी मेले में आने के लिए श्री भैयाजी जोशी का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेला का अर्थ मेल-जोल है और इसमें व्यापार के साथ ही सांस्कृतिक मेलजोल को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले का प्रारंभ वर्ष 1999 से निरंतर विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। मुम्बई से प्रारंभ स्वदेशी मेले में स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय से छोटे-बड़े उद्योगों को बल मिला है। यह केवल मेला ही नहीं स्वदेशी मेले के रूप में मिनी इंडिया का स्वरूप देखने को मिल रहा है। यहाँ अलग-अलग प्रांतों की लोककला और कारीगरी को एक स्थान और एक मंच पर देखने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले हमारा देश सोने की चिड़िया हुआ करता था, हम दुनिया की शीर्षस्थ अर्थव्यवस्था थे और हमारे उद्योग, धंधे, मसाले, रेशम और मलमल जैसे चमत्कारी वस्त्र दुनिया भर में मशहूर थे। कहा जाता है कि ढाका का बना मलमल अंगूठी के छल्ले से निकल जाता था। अंग्रेजों ने हमारी इसी स्वदेशी ताकत को कमजोर बना दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन और प्रेरणा से देश के साथ ही प्रदेश के युवा ने भी नौकरी मांगने नहीं, देने वाले बनने के गंभीर और दूरदर्शी संदेश को समझा। आज हमारे यहां 37 हजार से भी अधिक स्वदेशी स्टार्ट-अप सक्रिय हैं। हमारा युवा उद्यमशील होकर नौकरी देने वाला बन रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज सिंगल क्लिक से करेंगे राशि अंतरित

श्रमिक परिवारों को 225 करोड़ रूपये की राशि मिलेगी

संबल योजना में कुल 10 हजार 236 श्रमिक परिवार होंगे लाभान्वित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 दिसम्बर को संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता के 10 हजार 236 प्रकरणों में श्रमिकों के परिवारों को सहायता राशि 225 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से वितरित करेंगे। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही उपस्थित

रहेंगे।संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें अनुग्रह सहायता योजना में दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रूपये एवं सामान्य मृत्यु पर 2 लाख रूपये प्रदान किये जाते हैं। इसी प्रकार स्थायी अपंगता पर 2 लाख रूपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 01 लाख रूपये तथा अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रूपये प्रदान किये जाते हैं। संबल योजना में जहाँ एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रूपये दिये जाते हैं तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत निःशुल्क शिक्षा भी उपलब्ध करवायी जाती है। प्रदेश के लाखों श्रमिक एवं प्लेटफार्म वर्कर्स को भी संबल योजना में सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन प्रारम्भ किया गया है। इन्हें भी संबल योजना में लाभ प्रदान किये जा रहे हैं।

संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। मध्यप्रदेश सरकार ने संबल योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। संबल योजना में सभी योजनाओं जैसे अंत्येष्टी सहायता, मृत्यु अथवा दिव्यांगता पर अनुग्रह सहायता, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, प्रसूति सहायता, आयुष्मान भारत, राशन पर्ची आदि का लाभ दिया जा रहा है।

अदाणी एंटरप्राइजेज को तीन प्रतिष्ठित भारतीय सीएसआर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया

- स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण और सतत ऊर्जा की पहल के लिए सम्मानित किया गया

नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को 2024 संस्करण में तीन प्रतिष्ठित भारतीय सीएसआर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। ये सम्मान स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण और सतत ऊर्जा के क्षेत्रों में समाज के प्रति कंपनी के प्रतिबद्ध योगदान के लिए दिए गए हैं।

भारतीय सीएसआर पुरस्कार, इंडिया सीएसआर नेटवर्क द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं, जो नवाचार, स्थिरता, विस्तार और पुनरुत्पादन में उत्कृष्ट कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों को मान्यता देते हैं। अदाणी एंटरप्राइजेज को शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित एक समारोह में तीन पुरस्कार प्राप्त हुए। कंपनी को स्वास्थ्य सेवा, महिला सशक्तिकरण और सौर ऊर्जा के क्षेत्रों में समुदायों, व्यक्तियों और पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाली तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए मान्यता मिली।

गोंडुलपारा में टीबी पोषण अभियान जैसी पहल के माध्यम से अडानी एंटरप्राइजेज समुदाय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो तपेदिक से प्रभावित लोगों की मदद करता है। एक मोबाइल मेडिकल यूनिट भी दूरदराज के क्षेत्रों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करती है , जिससे पहुंच में सुधार होता है। परियोजना 'ममता' माताओं और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए संसाधन और शिक्षा प्रदान करती है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा समर्थित महिला सहकारी संस्था, छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एमयूबीएसएस, कौशल विकास और उद्यमिता प्रशिक्षण के माध्यम से आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाती है, जिससे उनके समुदायों में आत्मनिर्भरता और सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा मिलता है।

अदाणी एंटरप्राइजेज ने मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के दूरदराज के बसी बरधा गाँव में सौर ऊर्जा से चलने वाली लाइटिंग स्थापित की, ताकि बिजली से वंचित स्थानीय लोगों को अभिनव प्रकाश समाधान प्रदान किया जा सके। इस परियोजना ने सैकड़ों ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है, साथ ही सौर ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को भी लाभ पहुँचाया है।

अदाणी एंटरप्राइजेज की सीएसआर टीम के प्रवक्ता ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए क हा, ÷ये पुरस्कार लोगों और समुदायों के जीवन में ठोस बदलाव लाने के हमारे अथक प्रयासों का प्रमाण हैं। हम एक सकारात्मक और टिकाऊ भविष्य बनाने की दिशा में प्रयास करना जारी रखेंगे। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अपने सामाजिक उत्तरदायित्व लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध है और ऐसे अभिनव कार्यक्रमों को लागू करना जारी रखेगा जिनका समाज पर स्थायी प्रभाव हो।'

पुरस्कार वितरण समारोह दिल्ली में हुआ, जहां सम्मान प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा प्रदान किए गए। इसमें केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामनाथ अठावले और पुरी से संसद सदस्य संबित पात्रा मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। आयोजक ब्रांड होन्चोज़ के नेतृत्व और अरुण मिश्रा ने पुरस्कार प्रदान किए।

सांसद दर्शन सिंह ने मांगी लोकसभा क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाओं की जानकारी

-मनोज दुबे
सीनियर जर्नलिस्ट

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र में होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने तारांकित प्रश्न संख्या 106 के भाग (क) से (च) के तहत नर्मदापुरम नरसिंहपुर रायसेन जिले में सिंचाई परियोजनाओं की जानकारी मांगी। जिसका उत्तर मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधिवत लिखित में विवरण सभा पटल पर रखा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत सूक्ष्म सिंचाई पहल के संबंध में में उत्तर प्रस्तुत किया। जिसमें सरकार जल संरक्षण और उसके प्रबंधन को उच्च प्राथमिकता देती है। इस उद्देश्य से, देश में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) का कार्यान्वयन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य खेतों तक जल की वास्तविक पहुंच बढ़ाना और सुनिश्चित सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार करना, खेतों में जल के उपयोग की दक्षता में सुधार करना, स्थायी जल संरक्षण पद्धतियों को अपनाना आदि है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित पूरे देश में प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) योजना का कार्यान्वयन कर रहा है।

होशंगाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र मध्य प्रदेश राज्य के तीन जिलों नर्मदापुरम, नरसिंहपुर और रायसेन को कवर करता है। राज्य सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2015-16 से 2024-25 (अब तक) तक इन जिलों में सूक्ष्म सिंचाई के तहत क्षेत्र कवरेज और पीडीएमसी के माध्यम से लाभान्वित किसानों की संख्या का विवरण प्रस्तुत किया। जिसमें सूक्ष्म सिंचाई के तहत नर्मदापुरम जिले में 8917 हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया गया है जिसमें 6047 किसान लाभान्वित हुए हैं, नरसिंहपुर जिले में 6748 हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया गया है जिसमें 4503 किसान लाभान्वित हुए हैं, रायसेन जिले में 12897 हेक्टेयर क्षेत्र कवर किया गया है जिसमें 9162 किसान लाभान्वित हुए हैं।

नर्मदापुरम (होशंगाबाद) जिलें में डब्ल्यूडीसी- पीएमकेएसवाई 1.0 के तहत, जिलें में 23.94 करोड़ रुपये की कुल लागत के साथ 19953 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए चार परियोजनाएं पूरी की गई हैं। वर्ष 2021-22 के दौरान, जिलें में डब्ल्यूडीसी-2.0 के तहत दो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जो मार्च 2026 तक कार्यान्वयन के लिए 22.73 करोड़ रुपये की कुल लागत के साथ 10,330 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करेंगी।

98.1 प्रतिशत एडवाइजर्स ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ के मोबाइल ऐप 'आईप्रू एज' का उपयोग कर तुरंत कमीशन प्राप्त किया

मोबाइल ऐप का उपयोग करने वाले एडवाइज़र्स की उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि - 50 प्रतिशत बचत पॉलिसी एक ही दिन में जारी की गई

भोपाल। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस द्वारा अपने एडवाइज़र्स के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज के कारण वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में उत्पादकता में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे एडवाइज़र्स की आय में भी इजाफा हुआ है। खास बात यह है कि आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एजेंट्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ चुनिंदा डिस्ट्रीब्यूटर्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान करने वाली पहली जीवन बीमा कंपनी है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक एडवाइज़र्स का नेटवर्क है, और लगभग 61 प्रतिशत शीर्ष एडवाइज़र्स अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिल रही है।

यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए चलते-फिरते कार्यालय की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक गतिविधियों के बजाय नए व्यवसाय विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज रीयल-टाइम केवाईसी ऑथेंटिकेशन की सुविधा प्रदान करता है, और इसकी ओसीआर टेक्नोलॉजी ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती है। यह छोटे शहरों और गांवों में काम करने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है।

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में, कंपनी ने अपने एजेंसी चैनल से रिटेल वेटेज प्रीमियम में साल-दर-साल 49 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो ऐप द्वारा प्रदान की गई सुविधा को दर्शाता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ ऑफ सेल्स, प्रॉपराइटरी चैनल, श्री राजीव अरोड़ा, ने कहा, हमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है। यह वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में देखी गई 37 प्रतिशत उत्पादकता वृद्धि से स्पष्ट है। इसके अलावा, आईप्रू एज का उपयोग करने वाले 98.1 प्रतिशत एडवाइज़र्स को उसी दिन कमीशन का भुगतान किया गया। इन पहलों ने हमें देश का सबसे एडवाइज़र-फ्रेंडली लाइफ इंश्योरेंस प्रोवाइडर बनने में मदद की है। हमने तकनीकी समाधान भी लागू किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में सेविंग्स बिजनेस सेगमेंट की लगभग 50 प्रतिशत पॉलिसी उसी दिन जारी की गईं।

आईप्रू एज एडवाइज़र्स को प्रशासनिक गतिविधियों के बजाय नए व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। ऐप का उपयोग करके एडवाइज़र्स आसानी से नया व्यवसाय लॉग इन कर सकते हैं। हम अपने एडवाइज़र्स को नए व्यावसायिक अवसर, डिमांड जनरेशन और ग्राहकों की प्रभावी सेवा प्रदान करते हैं। यह एडवाइज़र्स को अपने ग्राहकों को प्रभावी ढंग से सेवा देने में भी सक्षम बनाता है।

यह मोबाइल ऐप हमारे एजेंट्स को उनके व्यवसाय को लाभदायक रूप से बढ़ाने का समाधान प्रदान करता है। खास बात यह है कि यह उन्हें उनके व्यवसाय और आय की विस्तृत जानकारी भी प्रदान करता है।

अटल बिहारी वाजपेयी - भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान ग्वालियर में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन कैंडी 2024 का भव्य शुभारंभ

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। एबीवी - आई.आई.आई.टी.एम. ग्वालियर संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''ऊर्जा व पर्यावरण के लिए नैनो सामग्री और उपकरणों में प्रगति'' पर तृतीय तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन CAN-DEE 2024 का उद्घाटन 03 दिसम्बर को संस्थान के प्रशासनिक भवन सभागार में प्रातः 10 बजे से हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन सिंह के द्वारा प्रो. राजीव आहूजा (निदेशक- आई.आई.टी. रोपड़), प्रो. अप्पाराओ एम. राव (CU, USA) तथा प्रो. अजय कुमार मिश्रा (DUT, South Africa) को श्रीफल, शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका अभिनंदन किया। देश विदेश से पधारे हुए वैज्ञानिकों एवं शीधकर्ताओं का भी निदेशक के द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने नैनोमेटेरियल की उपयोगिता को बताते हुए कहा कि इस तरह के सम्मेलन से सभी प्रतिभागी लाभान्वित होंगे। यह तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें दुनिया भर के वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ ऊर्जा और पर्यावरण के लिए नैनोमेटेरियल्स और डिवाइसेज में हुए नवीनतम विकास पर अपने वैज्ञानिक अनुभवों को साझा करेंगे।

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रो. अनुराग श्रीवास्तव (डीन पूर्व छात्र एवं बाह्य/ विदेश संबंध) ने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उपयोगिता प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 84 प्रस्तुति हैं, जिनमें 14 मौखिक और 5 थीसिस हैं।

प्रसिद्ध कम्प्यूटेशनल मैटेरियल साइंटिस्ट प्रो. राजीव आहूजा (निदेशक- आई.आई.टी. रोपड़) ने ''कंप्यूटेशनल मटेरियल साइंस एंड इट्स एप्लीकेशन इन द एरिया ऑफ मटेरियल फॉर एनर्जी'' पर प्रभावशाली व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने मुख्यतः सतत् विकास और ऊर्जा अनुप्रयोग के सामग्री अनुसंधान, हाइड्रोजन भंडारण पर प्रकाश डाला। प्रो. आहूजा ने रिसर्च में सहकार्यता के महत्व को भी समझाया। 1150 प्रकाशनों, 105 के एच-इंडेक्स और 51,200 से अधिक साइटेशन्स के साथ, उनका शोध बैटरी और हाइड्रोजन भंडारण सहित ऊर्जा सामग्री पर केंद्रित है। उन्होंने केवीए से वॉलमार्क पुरस्कार और आईआईटी रुड़की के सर्वश्रेष्ठ पूर्व छात्र पुरस्कार (2021) सहित कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। प्रो. आहूजा नैनो एनर्जी के एसोसिएट एडिटर और शीर्ष-स्तरीय पत्रिकाओं के सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में भी कार्य करते हैं।

इसके पश्चात प्रो. पिंसूक (C.U थाईलैंड) ने यूनिवर्सल रेसिस्टिविटी फ्रोम इलेक्ट्रॉन फेनोन इंटरेक्शन पर अपने विचार रखे तथा प्रो. राल्फ स्कीचर (.U, स्वीडन) ने धात्विक कांच संरचना का मापन, हाइड्रोजन प्रेरित संरचना एवं ऊष्मागतिकी की स्थिरता पर प्रकाश डाला । इसी स्त्र5म में आगे प्रो. एसए हाशमी (डीयू दिल्ली) ने अर्द्ध ठोस अवस्था, रिचार्जेबल सोडियम और मैग्नीशियम बैटरी के विकास के बारे में अपनी थीसिस रखी। तत्पश्चात डॉ. आशीष भटनागर (जेआईआईटी, नोएडा) ने बताया की वह हाइड्रोजन उत्पादन और भंडारण के क्षेत्र में कार्यरत हैं । उन्होंने हाइड्रोजन भण्डारण के तकनीकों जैसे ठोस अवस्था भंडारण पर भी विचार रखे। प्रो. प्रवीन सैनी (सीएसआईआर, दिल्ली) ने ई वेस्टेज, ई वेस्टेज मैनेजमेण्ट, पी सी बी रीसाइकलिंग पर विचार व्यक्त किए। इसी क्रम में प्रो. अरिवानंदन (ए यू,चेन्नई), प्रो. अपर्णा चक्रवर्ती (आर आर सी ए टी, इंदौर) तथा प्रो सुदिप्त रॉय ने अपनी थेसिस रखी। उक्त जानकारी संस्थान की मीडिया प्रभारी श्रीमती दीपा सिंह सीसोदिया के द्वारा दी गयी।

जनसुनवाई में 147 लोगों की समस्याओं की हुई सुनवाई

ग्वालियर। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में इस बार 147 लोगों की समस्यायें सुनी गईं। अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, कुमार सत्यम व टीएन सिंह सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने एक दृ एक कर सभी आवेदकों की समस्यायें सुनीं और उनके आवेदनों के निराकरण की रूपरेखा तय की। जनसुनवाई में प्राप्त हुए 147 आवेदनों में से 77 दर्ज किए गए। शेष 70 आवेदन संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को सीधे ही निराकरण के लिये दिए गए। सभी अधिकारियों को समय-सीमा में आवेदनों का निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जन-सुनवाई में राजस्व, नगर निगम, बिजली इत्यादि से संबंधित समस्यायें प्राप्त हुईं। समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ जरूरतमंदों के निरूशुल्क इलाज का इंतजाम भी जनसुनवाई में कराया गया।

कांग्रेस प्रत्याशी ने जनसंपर्क कर मांगे वोट

ग्वालियर । वार्ड 39 के नगर निगम पार्षद उपचुनाव में कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी श्रीमती शिवानी खटीक के समर्थन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. देवेन्द्र शर्मा ने जनसंपर्क किया और वार्ड की जनता से कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी को विजयी बनाने की अपील की। वार्ड 39 में घर-घर जनसंपर्क करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने कहा कि पार्षद उपचुनाव में कांग्रेस पार्षद प्रत्याशी श्रीमती शिवानी खटीक को भारी मतों से विजयी बनाएं। कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है जो हर वर्ग, हर समाज को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है, कांग्रेस का एक ही नारा है, सभी को साथ लेकर चलो, हर वर्ग का विकास करों, तभी एक सशक्त भारत बन सकेगा।

अनोखा इलाज...

- अतुल मलिकराम
(लेखक और राजनीतिक रणनीतिकार)

एक दिन पेट में दर्द सा हुआ। उस दिन घर में कोई था नहीं और मुझे दवाइयाँ मिली नहीं और बाहर जाकर लाने की मेरी हिम्मत नहीं थी। सोचा कोई घरेलु नुस्खा ही अपनाया जाए। लेकिन क्या...? मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं। तभी मन में खयाल आया कि क्यों ना यूट्यूब से ही कोई नुस्खा निकाला जाए। जैसे ही यूट्यूब पर पेट दर्द के लिए नुस्खा ढूंढा, मेरे सामने नुस्खों की लम्बी लिस्ट हाजिर हो गई। दो चार विडियो भी देखे कोई कहता कि फलाना चीज खाए तो कोई कहता ढिकाना चीज खाएं। एक जिस चीज को फायदेमंद बताता दूसरा उसे ही नुकसानदायक कह देता। बताए गये कुछ नुस्खों में कुछ चीजें तो ऐसी भी थी जो घर में आसानी से मिलना संभव भी नहीं लेकिन बताया घरेलू नुस्खे में जा रहा था।

हर वीडियों में तुरंत राहत मिलने का दावा किया जाता, तुरंत राहत पाने की चाह में मैंने भी सबसे पहले वही वीडियों देखा लेकिन राहत मिलने की जगह उस वीडियों ने मेरे धैर्य की परीक्षा और ले ली। क्योंकि बताया गया नुस्खा कोई सामान्य रूप से बताता तो दो मिनट में आराम से बता सकता था लेकिन वीडियो में नुस्खा बताने वाले जानकर ने मेरा स्वागत करने, अपने चैनल की जानकारी देने और लाइक, शेयर, सब्सक्राइब की मांग करने में ही शुरूआती दो-तीन मिनट निकाल दिए। उस पर एक और समस्या ये कि हर विडियो में एक नया नुस्खा, कौन सा प्रयोग किया जाए, ये एक नया प्रश्न सामने खड़ा हो गया। हाल ये रहा कि दिमाग का दही हो गया। नुस्खे खोजने से पहले तक तो पेट में दर्द था अब सर में भी होने लगा। फिर इस उलझन में पड़ गया कि सर दर्द के लिए नुस्खा खोजा जाए या पेट दर्द के लिए...।

खैर इस तरह करीब आधा घंटा गुजर जाने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं तो पेट दर्द के नुस्खे खोजने के लिए यूट्यूब पर आया था और अभी तक ना जाने किस-किस विषयों पर ज्ञान प्राप्त कर चुका हूँ। राजनीती, धर्म, ज्योतिष और न जाने कितने ही विषयों की ताजा जानकारी मुझे मिल गई है लेकिन जिस समस्या के समाधान के लिए आया था बस वो ही नहीं मिल पाया है। लेकिन इतनी जानकरी का फायदा ये हुआ कि इतनी देर तक जब मैं यूट्यूब के विडियो में व्यस्त था मुझे पेट दर्द का भान नहीं था, जहाँ दर्द के मारे एक-एक पल भारी पड़ रहा था वहाँ आधा घंटा कहाँ छूमंतर हुआ पता ही नहीं चला। लेकिन ये केवल क्षणिक सुख था जैसे ही मैं यूट्यूब की दुनिया से निकलकर वास्तविकता में लौटा, दिमाग ने फिर याद दिला दिया कि दर्द अभी भी बना हुआ है। फिर सोचा क्या किया जाए, कुछ समझ न आने कि स्थिति में सोचा भूखे रहने से तो कोई हल निकलेगा नहीं तो कुछ खा ही लिया जाए लेकिन फिर प्रश्न कि क्या खाया जाए..? पेट दर्द की स्थिति में बाहर का खाना उचित नहीं और पाक कला में मैं इतना माहिर नहीं कि बिना किसी मदद के कुछ बना लूँ फिर वही समाधान दिखा कि यूट्यूब की शरण में ही जाना पड़ेगा लेकिन कुछ देर पहले ही यूट्यूब का अनुभव लेने के बाद अब फिर से अपने संयम और समय की आहुति देने की हिम्मत नहीं कर पाया सो अपने हिसाब से कुछ बना कर खा लेना ही उचित समझा और इस बीच पेट दर्द भी शांत हो गया लेकिन यूट्यूब की इस कश्मकश में बिना दवाई के ही पेट दर्द का इलाज हो गया। यूट्यूब इस तरह भी मददगार साबित होगा कभी सोचा न था....

सेवानिवृत्त आर्मी जवान के खाते से दस लाख पार

– बैंक प्रबंधक सहित एक अन्य ठग पर मामला दर्ज

ग्वालियर। सेना से सेवानिवृत्त जवान के खाते से ठग ने दस लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। पीडित को शंका हुई तो उसने मैनेजर से शिकायत की, मैनेजर ने खाता तो फ्रीज नहीं किया, बल्कि ठग के आए मैसेज और कॉल हिस्ट्री मोबाइल से डीलिट कर दी। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम की है। घटना का पता चलते ही पीडित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीडित की शिकायत पर मैनेजर सहित एक अन्य पर मामला दर्ज किया है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम निवासी शत्रुघ्न सिंह तोमर पुत्र वासुदेव सिंह तोमर आर्मी से सेवानिवृत्त जवान है और अक्टूबर माह में ही सेवानिवृत्त हुए हैं। उनका वर्ष 2006 से एक्सिस बैंक में खाता है। इसी खाते में उनका रिटायरमेंट का रूपया आया था। रूपया आने के बाद बैंक के सीनियर मैनेजर अरविन्द मिश्रा ने उनसे इन्वेस्टमेंट के लिए संपर्क किया और दो बार उनके घर आए थे। इसके बाद उनके पास एक मोबाइल नंबर 90568-67233 से कॉल आया और कॉल करने वाले ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उन्हें उनका नंबर बैंक मैनेजर अरविन्द मिश्रा ने उपलब्ध कराया है। बातचीत आगे बढ़ी तो कॉल करने वाले ने बैंक में इन्वेस्टमेंट की बाते कीं और उसके बाद उनसे उनके आधार नंबर सहित अन्य जानकारी ली और उसके बाद बताया कि उसने एक फाइल वाट्सएप पर भेजी है और वह उसे डाउनलोड कर लें। उसकी बातों में आकर उसने फाइल डाउनलोड की तो उन्हें शक हुआ कि उनका मोबाइल किसी ने हैक कर लिया है। इसका पता चलते ही उन्होंने बैंक मैनेजर अरविन्द मिश्रा को पूरी घटना की जानकारी देने के साथ ही उनका खाता फ्रीज करने को कहा। लेकिन उन्होंने मोबाइल स्विच ऑफ करने को कहा और वह उनके घर आए। इसके बाद ठग द्वारा किए गए कॉल की हिस्ट्री डिलीट करने के बाद अन्य उक्त नंबर द्वारा भेजी गई जानकारी डिलीट कर दी। इसके बाद उनका मोबाइल स्विच ऑफकिया और सिम निकालकर उन्हें दे दी और हिदायत दी कि उक्त नंबर को चालू ना करें, अन्यथा उसके खाते से रुपए निकल जाएंगे। दो दिन बाद जब उन्होंने मोबाइल स्विच ऑन किया तो पता चला कि उनके खाते से ठगों ने दस लाख चौदह हजार रुपए पार कर दिए हैं। इसका पता चलते ही वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस जांच कर पता लगा रही है कि इस मामले में मैनेजर की क्या भूमिका रही है।

महिला के साथ लूट, बाइक सवार लुटेरे झपट्टा मारकर मंगलसूत्र लूट ले गए

ग्वालियर। बेटी को स्कूल छोड़कर घर जा रही महिला के साथ लूट हो गई। बाइक सवार दो लुटेरे महिला के गले पर झपटटा मारकर मंगलसूत्र लूट ले गए। लूट की वारदात हजीरा थाना क्षेत्र के कॉलोनी नंबर तीन में मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे की है। वारदात के बाद पीडिता ने शोर मचाया, लेकिन उससे पहले ही बदमाश बाइक को गति देकर भाग निकले। महिला का शोर सुनकर राहगीर इकटठा हो गये और पुलिस को सूचना दी। वारदात का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लुटेरों की तलाश में नाकाबंदी कर उनकी तलाश शुरू की। लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीव्ही कैमरे खंगाले और उनके आधार पर संदेही लुटेरों की तलाश शुरू कर दी है।

हजीरा थाना क्षेत्र के न्यू रेशम मिल प्रगति नगर निवासी चंचल वर्मा पत्नी विकास वर्मा के साथ लूट हो गई। चंचल मंगलवार की सुबह करीब आठ बजे बेटी मानवी को स्कूल छोड़कर घर वापस आ रही थीं। अभी वह कॉलोनी नंबर तीन में पहुंची थीं कि तभी बाइक से दो बदमाश आए और एक बार उनके पास से निकलने के बाद दोबारा वापस आए और उनके पास पहुंचते ही गले पर झपट्टा मारा और मंगलसूत्र झपट लिया। जब तक वह कुछ समझती उससे पहले ही बाइक सवार अपने वाहन को गति देकर फरार हो गए। वारदात की शिकार पीडिता ने शोर मचाया तो लोग एकत्रित हुए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मामले का पता चलते ही पुलिस ने शहर भर में नाकाबंदी कराई और बदमाशों की तलाश में चेकिंग शुरू कराई, लेकिन बदमाश हाथ नहीं आए हैं। पीडिता ने पुलिस को बताया कि बाइक सवार दोनों बदमाश नई उम्र के थे और पीछे बैठे बदमाश ने लाल स्वेटर पहना हुआ था। पुलिस अब हुलिए के आधार पर इलाके में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, जिससे बदमाशों को पकड़ा जा सकें।

ग्वालियर वन मंडल में बढ़ रही वन्यजीवों की संख्या

- पांच साल में 1200 से अधिक हो गये रेस्क्यू
- कई दुर्लभ वन्यजीव होने के भी मिले प्रमाण

– शैलेन्द्र शर्मा–

ग्वालियर। पहाड़ी व घास के मैदान से संपन्न ग्वालियर का जंगल वैसे तो अपने आप में अदभुत है। लेकिन लगातार बीते चार से पांच सालों में वन्यजीवों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह हम नहीं कह रहे है बल्कि ग्वालियर वन मंडल के अंतर्गत वर्ष 2020 ने 2024 तक लगभग 1200 रेस्क्यू कार्य कर लिये गये हैं। इससे भी कहीं अधिक अन रिकॉर्डेड रेस्क्यू कार्यवाही भी हुई है। कई दुर्लभ वन्यजीव होने के भी प्रमाण मिले है। यह ऐसे संकेत है जिससे पर्यावरण प्रेमियों में खुशी की लहर है। वन विभाग की रेस्क्यू टीम द्वारा बीते पांच साल में वन्यजीवों को बचाने के लिये किये गये रेस्क्यू और एक सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ग्वालियर डिवीजन में वन्यजीवों की अच्छी खासी संख्या हो गई है।

ग्वालियर डीएफओ के अनुसार जो वन्यजीवों से सबसे ज्यादा डर बना रहता है ऐसे जीव भी यहां बहुतायत में हैं। जिसमें तीन से चार दर्जन तेंदूआ मौजूद है। इससे कहीं अधिक भालूओं की संख्या है। कह सकते है कि ग्वालियर, घाटीगांव, मोहना वन परिक्षेत्र के घने जंगल में 30 से 40 हो चुके हैं। लकड़बग्घा हायना 70 से 80 और सियार, कबर बिज्जू, हैज होग, जहरीले बड़े सांप और मगर उपलब्ध हैं। इसके अलावा अन्य डिवीजन के जंगलों में अमूमन जो वन्यजीव देखे नहीं गये हैं। वह वन्यजीव जिसमें पेंगुलिन, एसपी कोडेट कैट भी देखने को मिलने लगे हैं। यह खबर जैव विविधता बोर्ड के अनुसार अच्छी ही नहीं बल्कि बहुत अच्छी है। इससे आने वाले समय में और अच्छे सुखद परिणाम सामने आएंगे। आने वाले समय में सियाह घोष केरकल कैट, हैज छेगो आदि के ब्रीडिंग केन खोले जा सकते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बर्बरता के विरोध में हिंदू समाज ने धरना-प्रदर्शन कर निकाली रैली

ग्वालियर। फूलबाग मैदान पर सकल हिंदू समाज और हिंदू समाज के विभिन्न संगठनों ने मंगलवार को बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या, मंदिर में तोडफोड़ व महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सैकड़ों महिला-पुरुष शामिल हुए। धरना प्रदर्शन के बाद हिंदू समाज के सदस्य, संतों ने फूलबाग से आक्रोश रैली निकाली, जो पड़ाव, सिंधिया कन्या विद्यालय, एलआईसी तिराहा, वीरांगना लक्ष्मीबाई की समाधि होते हुए वापस फूलबाग पहुंची। यहां राष्ट्रपति के नाम चार सूत्री ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया है।

बांग्लादेश में रहने वाले अल्पसंख्यक हिंदुओं की हत्या, मंदिरों में तोड़फोड़, हिंदू संतों की गिरफ्तारी, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार की बढ़ती घटनाओं से भारत में आक्रोश है। इस अत्याचार के विरोध में फूलबाग चौराहे पर सकल हिन्दू धर्म समाज के नेतृत्व में हिंदू संगठन हल्ला बोल आंदोलन व विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया है। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे सभी हिंदू संगठन बांग्लादेश में हो रहे इन अत्याचार के विरोध में फूलबाग पर एकत्रित हुए और यहां कड़ा विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भी दिया गया है। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के विरोध में आक्रोश धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए गंगादास की बड़ी शाला के संत प्रमुख सेवकदास महाराज ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या की जा रही हैं। संतों के साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा है, मंदिरों में तोडफोड़ की जा रही है। भारत की केन्द्र सरकार को इसको रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने पड़ेंगे। सरकार को कूटनीतिक एप्रोच रखनी पड़ेगी। इसे अंतर राष्ट्रीय मानवधिकार आयोग में रखना होगा। बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा और सम्मान को बचाना होगा।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में पिछले कुछ समय से अस्थिरता का दौर जारी है। सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथी संगठनों के निशाने पर अल्पसंख्यक हिंदू हैं। लगातार बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या, मंदिरों में तोड़फोड़, हिंदू संतो की गिरफ्तारी के साथ ही महिलाओं के साथ अभद्रता की खबरें सामने आ रही हैं। लगातार घटनाओं के बाद पूरे देश में हिंदु संगठन आक्रोशित हैं।

एक्टिवा की डिग्गी से साढ़े चार लाख पार

ग्वालियर। शोरूम पर कार की बुकिंग करने जा रहे एक युवक की एक्टिवा की डिग्गी से साढ़े चार लाख रुपए उस समय पार कर दिए, जब युवक एक्टिवा खड़ी कर बाथरूम करने गया था। मामले का पता चलते ही युवक ने उनका पीछा किया, लेकिन बदमाश भाग निकले। घटना झांसी रोड थाना क्षेत्र के कैंसर पहाड़ी स्थित हनुमान मंदिर के पास की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद अज्ञात बदमाशों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है।

न्यू गायत्री विहार तानसेन रोड निवासी अनुज मिश्रा पुत्र प्रवीण मिश्रा छात्र है और बीते रोज घर से साढ़े चार लाख रुपए लेकर कार की बुकिंग करने के लिए शिवपुरी लिंक रोड जा रहा था। अभी वह कैंसर पहाडिया स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंचा तो बाथरूम के लिए एक्टिवा खड़ी कर चला गया। इसी बीच स्प्लेण्डर बाइक से दो युवक आए और डिग्गी में रखे साढ़े चार लाख रुपए निकाल लिए। डिग्गी बंद होने की आवाज आई तो उसने पीछे पलटकर देखा तो दोनों युवक बाइक पर सवार हो चुके थे। शंका होने पर वह तुरंत वापस लौटा और डिग्गी चेक की तो उसमें रखे साढ़े चार लाख रुपए गायब थे। उसने तुरंत ही बाइक सवारों का पीछा किया, लेकिन तब तक बाइक सवार भाग निकले थे। पीडित ने बताया कि बाइक सवार बदमाश शॉर्टकट रास्ते से अवाड़पुरा की तरफ भागे हैं और दोनों ही नई उम्र के हैं और पीछे बैठे युवक ने काले रंग के कपड़े पहने हुए थे। बदमाशों के हाथ नहीं आने पर पीडित ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अफसरों का मानना है कि बदमाशों के आने और जाने के रास्ते पर फुटेज सीसीटीवी में कैद हुए होंगे। इसके चलते कैंसर पहाड़ी आने और जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरे पुलिस खंगाल रही है और आस-पास के इलाके में हुलिए के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

दुष्कर्म के मामले में बर्खास्त आरक्षक ने छात्रा से की छेड़छाड़

ग्वालियर। कोचिंग पढने आई नाबालिग छात्रा से शिक्षक ने छेड़छाड़ कर गलत काम करने का प्रयास किया। घटना हजीरा थाना क्षेत्र के चंदनपुरा की है। आरोपी वारदात में सफल होता उससे पहले ही छात्रा का भाई वहां पर पहुंच गया और आरोपी ने छात्रा को मुक्त कर दिया। पीडित छात्रा घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी देने के बाद थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को पकड़ लिया है। आरोपी शिक्षक के बारे में पता चला है कि वह पहले पुलिस का जवान था और दुष्कर्म के मामले में बर्खास्त हुआ था।

हजीरा थाना क्षेत्र के चंदनपुरा निवासी पंद्रह वर्षीय छात्रा व उसका भाई पास ही कोचिंग पढने के लिए कुलदीप तोमर के घर पर दो माह से जा रहे है। बीते रोज छात्रा का भाई लेट हो गया था तो छात्रा अकेली पढने चली गई। छात्रा को अकेली देखकर कुलदीप तोमर ने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और उसके साथ छेड़छाड़ कर गलत काम करने का प्रयास करने लगा। आरोपी अपने गलत मंसूबे में सफल होता उससे पहले ही उसका भाई वहां पर आ गया और दरवाजा खटखटाया तो आरोपी ने उसे मुंह बंद रखने की धमकी दी। जैसे ही उसका भाई अंदर आया, तो घबराई छात्रा तुरंत ही वहां से भाग निकली। छात्रा को वापस जाते देखकर उसका भाई भी वहां से चला आया। घर पहुंचकर छात्रा ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और परिजनों को साथ लेकर थाने पहुंची और पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने छात्रा की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को उसके घर से दबोच लिया है। पुलिस को पता चला है कि कुलदीप तोमर पुलिस जवान था और एक दुष्कर्म के मामले में उसे बर्खास्त किया गया है। इसके बाद से ही वह कोचिंग चला रहा है।

सराफा कारोबारी के डूप्लेक्स में आग लगाने वाला दबोचा

ग्वालियर। सराफ कारोबारी के डूप्लेक्स में आग लगाने वाले आरोपी देवेन्द्र यादव को मुरार थाना पुलिस ने उस समय दबोच लिया, जब वह अपने रिश्तेदार से मिलने आया था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ करना शुरू कर दी है। मुरार थाना प्रभारी मदन मोहन मालवीय ने बताया कि सूचना मिली थी कि आगजनी के मामले में फरार देवेन्द्र यादव अपने रिश्तेदार से मिलने के लिए बड़ागांव आ रहा है। सूचना पर एसआई दिनेश इक्ष्सह, आरक्षक नरेश सिंह राजावत, नरेश भोज, नीरज यादव, योगेन्द्र सिंह, राजवीर, जयहिंद और संजय को आरोपी को पकडने के लिए पहुंचाया। पुलिस को देखते ही एक युवक ने दौड़ लगाई। युवक को अचानक दौड़ते देखकर पुलिस को शंका हुई और युवक का पीछा किया और कुछ देर की मशक्कत के बाद उसे दबोच लिया। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में अपना नाम देवेन्द्र यादव बताया है। आरोपी के हाथ आते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। बताया गया है कि आरोपी देवेन्द्र और उसके भाई कपिल यादव का विवाद सराफ कारोबारी महावीर जैन से चल रहा है। महावीर जैन की शिकायत पर कपिल के खिलाफ अन्य मामले दर्ज कराए हैं। बीते नवंबर माह में कपिल यादव, देवेन्द्र यादव और उसके आधा दर्जन साथियों ने बड़ागांव पर निर्माणाधीन डूप्लेक्स में आग लगा दी थी।

बाइक की टक्कर से महिला घायल

ग्वालियर। मार्केट से घर जा रही महिला को तेज रफ्तार आए बाइक सवार ने लापरवाही से चलाते हुए टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि मामा का बाजार निवासी पचास वर्षीय कलावती पत्नी पूरन सिंह बीते रोज बाजार से घर जा रही थी। अभी वह जैन मंदिर हैदरगंज पहुंची थी कि तभी सामने से आ रहे बाइक क्रमांक एमपी 07 एनएच 0973 के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिरी और घायल हो गई। मौका पाकर आरोपी चालक वहां से फरार हो गया।

सीसीएफ ने चंबल रेत से भरी ट्रेक्टर ट्राली कराई जब्त

ग्वालियर। ग्वालियर वन वृत्त के सीसीएफटीएस सूलिया मंगलवार को चंबल सेंचुरी में औचक निरीक्षण करने के लिये जा रहे थे। तभी उन्हें अवैध रेत के परिवहन करते हुये आधा दर्जन ट्रेक्टर दिखाई दिये। उक्त रेत माफिआओं पर कार्रवाई करने के लिये सीसीएफ श्री सूलिया ने मुरैना डिवीजन के स्टाफ सहित अपना उडनदस्ता भी मौके पर बुला लिया। कुछ ही देर में घेराबंदी करते हुये रेत से भरे ट्रेक्टर ट्रालियों का पीछा किया। जिसमें गेमरेंज देवरी के जनकपुर तिराहे पर एक ट्रेक्टर चालक रेत से भरी ट्राली पलटकर फरार हो गया। जबकि अन्य ट्रेक्टर चालक भी

वन अधिकारियों को चकमा देकर गायब हो गया। इस कार्रवाई में देवरी घडियाल एसडीओ भूरा गायकवाड़ एवं सीसीएफ उडनदस्ता प्रभारी अनिल बाथम सहित अन्य मैदानी वन अमला मौजूद रहा। एसडीओ श्री गायकवाड़ ने बताया कि मुरैना से एबी रोड पर चंबल नदी की अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर ट्राली को जब्त किया गया है। जिसकी कीमत लगभग 5 लाख रूपये है। ग्वालियर सीसीएफ श्री सूलिया ने बताया कि मुरैना वन मंडल में अब इसी तरह वन माफिआओं के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। मुरैना डीएफओ सुजीत पाटिल ने चार्ज ले लिया है। वहीं तीन दिन पूर्व उड़नदस्ता प्रभारी भी नये आ गये हैं।

शताब्दी समारोह को ध्यान में रखकर व्यवस्थायें करें : संभाग आयुक्त

- कलेक्टर के साथ आयोजन स्थलों पर पहुँचकर लिया तैयारियों का जायजा

ग्वालियर। संगीत शिरोमणि तानसेन की स्मृति में आयोजित होने जा रहे 100वे ÷तानसेन संगीत समारोह÷ की तैयारियां जारी हैं। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने मंगलवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के साथ तानसेन सामरोह से संबंधित सभी आयोजन स्थलों तानसेन समाधि परिसर, इंटक मैदान एवं बेहट पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त व कलेक्टर ने आयोजन से जुड़े सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि तानसेन समारोह के शताब्दी वर्ष को ध्यान में रखकर उच्चकोटि की व्यवस्थायें कर इस महोत्सव को भव्य व आकर्षक बनाएं। तानसेन समारोह की सभाओं में आने वाले ब्रम्हनाद के साधकों व रसिकों को यह महसूस होना चाहिए कि हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक आयोजन में मौजूद हैं। संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर ने मुख्य समारोह स्थल तानसेन समाधि परिसर सहित इसके आसपास साफ-सफाई को और बेहतर करने एवं समारोह को ध्यान में रखकर इस क्षेत्र में सफाई की

पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा हजीरा स्थित तानसेन समाधि परिसर में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में संगीत रसिकों के लिये बैठने की उत्तम व्यवस्था रहे। मुख्य समारोह के पण्डाल के अलावा सामने की ओर लगाए जाने वाले अतिरिक्त पण्डाल में एलईडी स्क्रीन भी लगवाई जाए, जिससे संगीत रसिकों की संख्या बढ़ने पर स्क्रीन के माध्यम से भी रसिक तानसेन समारोह की सभाओं का आनंद ले सकें।

इंटक मैदान पर पर ÷गमक÷ आयोजन दिवस को यहाँ पर लगने वाली सब्जी मंडी को सब्जी व्यवसाइयों की सहमति से एक दिन के लिये बंद रखने अथवा किसी दूसरे स्थल पर लगवाने के लिये भी नगर निगम के अधिकारियों से कहा गया। संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर ने मुख्य समारोह आयोजन स्थल तानसेन समाधि परिसर एवं इंटक मैदान पर आयोजित होने वाले उप शास्त्रीय संगीत सभा ÷गमक÷ में आने वाले संगीत रसिकों के लिये पार्किंग की बेहतर से बेहतर व्यवस्था करें। पार्किंग व्यवस्था ऐसी हो, जिससे रसिक कम से कम दूरी तय कर समारोह स्थल पर पहुँच सकें। साथ ही शहर का यातायात भी बाधित न हो। इस अवसर पर ध्रुपद गुरु अभिजीत सुखदाणे, एसडीएम ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी, जनपद पंचायत के सीईओ, बेहट ग्राम पंचायत के सरपंच व सचिव एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

बेहट के मुक्ताकाश मंच का जायजा भी लिया

संभाग आयुक्त मनोज खत्री एवं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगलवार को सुर सम्राट तानसेन की जन्मस्थली बेहट पहुँचकर यहाँ आयोजित होने वाली संगीत सभा की तैयारियां भी देखीं। इस साल के तानसेन समारोह के आखिरी दिन19 दिसम्बर को प्रातरूकालीन सभा बेहट के मुक्ताकाश मंच पर सजेगी।

ग्वालियर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को 10 साल पूरे, शहर अभी भी पिछड़ा

- स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के बेसिक भी नहीं मिल पाए शहर को

-जितेन्द्र पाठक-

ग्वालियर। स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को ग्वालियर में काम शुरू किए हुए 10 साल का समय बीतने जा रहा है। लेकिन इन 10 सालों में शहर कितना स्मार्ट हो पाया है ये किसी से छिपा नही है। स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने साल 2015 से ग्वालियर में काम करना शुरू किया था तब से ग्वालियर में लगातार कार्यकाल बढ़ने के बाबजूद स्मार्ट सिटी में तैनात रहे अधिकारियों और कर्मचारियों की हवा हवाई प्लानिंग और कार्यशैली ने शहर को और ज्यादा बेतरतीब करने में कोई कसर नही छोड़ी।

पब्लिक बाईक शेयरिंग प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी के अधिकारियों का बड़ा फेल प्रोजेक्ट सभी के सामने हैं जिसमें करोड़ों की राशि का दुरूपयोग हुआ। स्ट्रीट लाईटों की खराब स्थिति को लेकर पूरे शहर में बवंडर मचा हुआ है। पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में ग्वालियर में बसें भी स्मार्ट सिटी नही चलवा पाई। जबकि अच्छे सार्वजनिक परिवहन का बिंदु तो स्मार्ट सिटी की अवधारणा में शामिल है और तो और इनमें भारी भ्रष्टाचार हुआ है। केवल

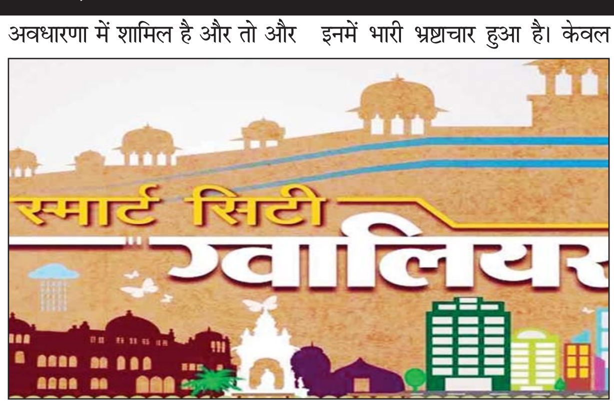

स्मार्ट सिटी द्वारा आठ साल में ट्राफिक लाईट्स और स्मार्ट बोर्ड पर लाखों रूपए फूंक दिए गए, लेकिन स्मार्ट बोर्ड कबाड़ हो गए और ट्रैफिक लाईट्स अपने हिसाब से चल रही है। आलम ये है कि स्मार्ट सी के कंट्रोल रूम में बैठकर वाहन चालकों को ई-चालान तो काटे जा रहे है। लेकिन सड़कों पर स्टॉप लाईन, जेबरा क्रासिंग तक गायब है। स्मार्ट सिटी का एक भी प्रोजेक्ट ऐसा नही है जो स्मार्ट सिटी की अवधारणा को पूरा करता हो, प्रोजेक्ट के नाम पर खानापूर्ति की गई है और सेल्फी पाईंटों से ही से ही पता चलता है कि ग्वालियर में स्मार्ट सिटी काम कर रही है। इसमें भी लाखों रूपए फूंक दिए गए है। लेकिन शहर की जनता की सहूलियत और स्मार्ट सिटी के मूल काम शहर की सड़कों की तरह गड्ढे में है।

स्मार्ट सिटी मिशन के तहत ऐसे शहरों को बढ़ावा दिया जाना है जो मूल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और नागरिकों को एक सभ्य गुणवत्तापूर्ण जीवन प्रदान करें। इस मिशन का मकसद शहरी क्षेत्रों में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में मदद करना भी है। स्मार्ट सिटी में लोगों को बेहतर जीवन स्तर, स्वच्छ वातावरण, सुरक्षा, किफायती आवास, सार्वजनिक परिवहन की अच्छी सुविधाएं, ई-गवर्नेंस उपलब्ध कराई जाती है वहीं अपशिष्ट, जल और उर्जा प्रबंधन पर ध्यान दिया जाता है साथ ही नागरिकों की भागीदारी, गतिशीलता और कौशल विकास से जुड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जाते है। हालांकि स्मार्ट सिटी अधिकारियों की कार्यशैली और अदूरदर्शिता पर पहले भी सवाल उठते रहे है, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप और निजी स्वार्थों के चलते कोई एक्शन नही हुआ। देशभर में स्मार्ट सिटी के जहां जहां प्रोजेक्ट चलते हैं वहां स्पष्ट रूप से साइनबोर्ड लगाकर पूरे प्रोजेक्ट की जानकारी अंकित रहती है, लेकिन ग्वालियर में एक भी जगह ऐसा दिखाई नहीं देता, जिससे लोगों को पता ही नही चल पाता, कि संबंधित प्रोजेक्ट किस ऐजेंसी के अधीन है। ये भी जबाबदेही से बचने का एक तरीका है।

निगमायुक्त ने सुनी जनसुनवाई में समस्यायें

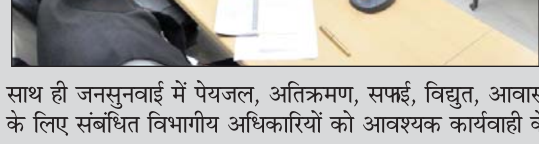

ग्वालियर। जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदक को सुनकर उनका नियमानुसार समय सीमा में निराकरण करायें। उक्ताशय के निर्देश निगम आयुक्त अमन वैष्णव ने आज जनसुनवाई के दौरान आम नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में 26 लोगों की समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त विजय राज, मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्रीमती रजनी शुक्ला, उपायुक्त अनिल दुबे, डॉ प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 37 तितुरिया कॉलोनी, मरघट रोड लक्ष्मीगंज के समस्त कालोनीवासियों ने आवेदन देते हुए बताया कि सोनी परिवार द्वारा जबरन रोड पर सिडियां निकालकर अवैध कब्जा कर लिया है। जिससे क्षेत्र के निवासियों को निकलने में परेशानियों का सामना करना पडता है। निगमायुक्त ने सुनवाई करते हुए कुछ समस्याओं का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई आदि से संबंधित 26 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश निगमायुक्त ने दिए।

संपादकीय

राष्ट्रपति बनने से पहले ही ट्रंप की भारत समेत ब्रिक्स देशों को चेतावनी

अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है। मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। किसी भी देश में सत्ता बदलने के साथ उसकी नीतियों में बदलाव आना हैरानी की बात नहीं है, लेकिन इस बार अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद जो संकेत सामने आ रहे हैं, वे चौंकाने वाले हैं। हालांकि ट्रंप आधिकारिक रूप से जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालेंगे, मगर पिछले कुछ दिनों से वे जिस तरह के बयान दे रहे और अपनी सरकार गठन को लेकर जो तस्वीरें पेश कर रहे हैं, उससे साफ है कि वे इस बार बहुत कुछ नया करने जा रहे हैं। अपने एक ताजा बयान में उन्होंने कहा कि अगर कोई देश अमेरिकी डालर को कमजोर करने की कोशिश करेगा, तो उसे अमेरिका में कारोबार के लिए सौ फीसद शुल्क की नीति का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप के निशाने पर मुख्य रूप से ब्रिक्स समूह के नौ देश हैं। उनके बयान को एक चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। सवाल है कि औपचारिक रूप से सत्ता संभालने के पहले ही ट्रंप का ऐसा आक्रामक रुख क्यों सामने आने लगा है। आर्थिक मामलों पर उभरे गतिरोध अलग-अलग देशों के साथ सहयोग आधारित नीतियों के जरिए और सहमति के आधार पर दूर किए जाते हैं या आक्रामक नीतियां लागू करने की धमकी से?

इसमें कोई दोराय नहीं कि अमेरिका का अपनी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए चिंता करना स्वाभाविक है। मगर क्या इसके लिए टकराव और चेतावनी कोई उपयुक्त रास्ता है? नए वैश्विक परिदृश्य में सभी देश अपनी आर्थिक मजबूती के नए विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इस क्रम में ब्रिक्स देश और खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डालर के विकल्प के रूप में अपनी नई मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। मगर इसे अमेरिका अपने डालर और इस तरह अपनी अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदेह मान रहा है और इस स्थिति में वह ब्रिक्स देशों को अपने यहां व्यापार बाधित करने की चेतावनी दे रहा है। ट्रंप की चिंता अमेरिका के हित में हो सकती है, लेकिन अगर आर्थिक मसले पर दुनिया बहुध्रुवीय और वैकल्पिक रास्ते तलाशती है, तो अमेरिका को इसके कारणों पर विचार करना चाहिए। नए विश्व में एकाधिकार का रास्ता शायद किसी भी देश के हित में नहीं होगा।

तकनीक ने बढ़ा दी बीमारियां इंसानियत धीरे-धीरे हो रहा खत्म

‘ आज की दुनिया एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक के व्यापक प्रसार ने हमारी दिनचर्या और सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमता और सोशल मीडिया ने न केवल हमें एक नए युग में प्रवेश कराया है, बल्कि हमारी इंसानियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। आज जब अपने चारों ओर की दुनिया को देखा जाए तो कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि क्या यह तकनीकी क्रांति हमें वास्तव में जोड़ कर रख रही है या हमें और भी अलग-थलग कर रही है! एक श्लोक है- ‘असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय।’ यानी हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। ’

तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे। आज की दुनिया एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक के व्यापक प्रसार ने हमारी दिनचर्या और सोचने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमता और सोशल मीडिया ने न केवल हमें एक नए युग में प्रवेश कराया है, बल्कि हमारी इंसानियत पर भी सवाल खड़े किए हैं। आज जब अपने चारों ओर की दुनिया को देखा जाए तो कोई भी संवेदनशील व्यक्ति यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि क्या यह तकनीकी क्रांति हमें वास्तव में जोड़ कर रख रही है या हमें और भी अलग-थलग कर रही है! एक श्लोक है- ‘असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय।’ यानी हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, और मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। यह श्लोक इस बात की याद दिलाता है कि सच्चा मार्ग वही है, जो अंधकार और असत्य से मुक्त हो। इसी तरह, आज हमें तकनीक के उजाले में खोते हुए उन मूल्यों को याद रखना होगा, जो हमें मानवता की ओर ले जाते हैं। तकनीक ने भले ही हमें वैश्विक स्तर पर जुड़ने का अवसर दिया हो, लेकिन वास्तविकता में हमने अपनी आसपास की दुनिया से दूरी बना ली है। आभासी दुनिया में जुड़ने के सुख की हकीकत यह है कि सोशल मीडिया पर हजारों लोग दोस्ती की सूची में हो सकते हैं, उन्हें हमारा लिखा हुआ या कोई और सामग्री पसंद आती है, मगर वास्तव में कोई हमसे जुड़ा नहीं होता। हमारा पड़ोसी तक हमारे दुख में शामिल नहीं होना चाहता। ज्यादातर लोग एक ही घर में रह कर अपने स्मार्टफोन में डूबे रहते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि इस डिजिटल दुनिया में हम और भी अकेले होते जा रहे हैं। उन दिनों को याद किया जा सकता है, जब परिवार और दोस्तों के साथ बैठकर हम वास्तविक बातचीत किया करते थे। आज वह आपसी संवाद एक ‘कमेंट’ या ‘इमोजी’ तक सीमित हो गया है। खुद में सिमटने के उदाहरण अपने आसपास हर जगह देखे जा सकते हैं। किसी व्यावसायिक माल में जमा लोगों को देख कर उनके भी संवेदनशील होने के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ समय पहले एक बुजुर्ग एक जगह असहाय बैठे थे। शायद उन्हें मदद की जरूरत थी। चारों ओर से लोग गुजर रहे थे, लेकिन किसी ने उनकी ओर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि सभी अपने-अपने स्मार्टफोन या बाजार से खरीदारी में व्यस्त थे। एक व्यक्ति ने जब उनसे बात की, तब पता चला कि उन्हें अपने बेटे से संपर्क करने में परेशानी हो रही थी। उस व्यक्ति ने उनकी मदद की, तब उनकी आंखों में राहत और आभार का भाव उभरे। तकनीक ने हमें भले ही एक नई दुनिया दी हो, लेकिन हम अपनी इंसानियत और आपसी जुड़ाव से कहीं दूर हो गए हैं। यह विडंबना है कि जब हमारे पास इतनी तकनीकी प्रगति है, तो मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं भी उसी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। तनाव, अवसाद और अकेलापन जैसे मुद्दे अब आम हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि डिजिटल युग में इन समस्याओं की वृद्धि इस बात का संकेत है कि हम अपने वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर होते जा रहे हैं।

अब वह समय नहीं रहा जब हम अपनों के साथ समय बिताने से आत्मिक शांति पाते थे। एक दौर था जब इंसानियत, प्यार और देखभाल हमारे रिश्तों की नींव हुआ करती थी। अब यह सब डिजिटल संकेत और स्क्रीन पर उभरते ‘नोटिफिकेशन’ या सूचनाओं और संदेशों में बंधकर रह गया है। ‘विज्ञान ने संसार को एक बहुत बड़ी चीज दी है- तथ्यों को पहचानने की शक्ति। लेकिन प्रेम ही वह तत्त्व है, जो मानव-हृदय को सही दिशा देता है।’ प्रेमचंद की ये पंक्तियां हमें इस बात का अहसास कराती हैं कि तकनीक और विज्ञान कितनी भी उन्नति कर लें, आखिरकार मानवीय संवेदनाएं ही हमें एक दूसरे से जोड़ती हैं और जीवन को सार्थक बनाती हैं। इस बात को लेकर चिंतित होना चाहिए कि क्या हम वाकई सही दिशा में जा रहे हैं। हालत यह हो गई है कि कोई हादसा हो जाता है, कोई अपराध हो रहा होता है, उस समय भी कुछ लोग मदद पहुंचाने या उसके लिए दौड़ पड़ने के बजाय अपने स्मार्टफोन निकाल कर झट से वीडियो बनाना शुरू कर देते हैं। सवाल है कि क्या तकनीक हमारी संवेदनाओं और सोचने-समझने की दिशा को भी प्रभावित कर रही है। तकनीकी प्रगति ने जीवन को सरल बना दिया है, लेकिन इसने हमारे दिलों को जटिल भी कर दिया है। क्या हम उस बिंदु पर पहुंच चुके हैं, जहां इंसानियत और मानवीय संवेदनाओं को तकनीक से परे एक नया आयाम देना होगा? इस प्रश्न का उत्तर हम सभी को मिलकर खोजना होगा। तकनीक का सही उपयोग तभी संभव है, जब यह हमारे मानवीय मूल्यों को संजोए रखे। तकनीकी के उपयोग का उद्देश्य हमारी जिंदगी को आसान बनाना था, लेकिन कहीं न कहीं यह हमें आपस में जोड़ने के बजाय भावनात्मक रूप से दूर कर रही है। हमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि तकनीक का प्रयोग इंसानियत को मजबूत करने के लिए हो, न कि इसे कमजोर करने के लिए।

सत्य किसी की हानि नहीं करता

सौभाग्यवश नई तकनीक ने पूरी दुनिया में इस तालाबंदी में सुराख कर दिया है। अब दुनिया के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति उन्मुक्त रूप से किसी तथ्य और प्रमाण को पूरी दुनिया के सामने रख सकता है। अतः यही उपयुक्त है कि सही इतिहास की शिक्षा दी जाए। किसी मतवाद दल नेता के हित या अहित की फिक्र से हटकर ही ज्ञान और विद्या का लाभ हो सकता है। बीते दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री भी कह चुके हैं, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई बन जाती है। वे लोग एक रह ही नहीं जाते। उनके स्वर विपरीत होने लगते हैं, जिससे एक-दूसरे को उपयुक्त रूप से नहीं समझ पाते। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निर्माता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। भारतीय सभ्यता के शत्रु यह विषय अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने और काल्पनिक बातें फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास के पठन-पाठन के लिए चेष्टा कर रहे हैं। इतिहास की पाठ्यपुस्तकें बनाने में लगे विद्वान मिशेल दानीनो ने देश के कुछ स्कूली शिक्षकों से संवाद किया। इसमें उन्होंने अनेक गंभीर प्रश्नों का सामना किया। एक शिक्षक ने पूछा कि ‘विवादित मुद्दों पर बच्चों को कैसे पढ़ाएं? उदाहरण के लिए आजादी पाने में महात्मा गांधी और भगत सिंह की भूमिका? क्या यह कहना ठीक है कि राजनीति में अहिंसा की विजय हुई?’ दानीनो के अनुसार शिक्षक को फैसला देने वाला जज नहीं बनना चाहिए। किसी ऐतिहासिक व्यक्ति की निंदा या प्रशंसा से बचें। छात्रों के समक्ष अधिकाधिक तथ्य रखना ही उपयुक्त है, ताकि छात्रों में सत्य के अन्वेषण के प्रति रुचि पैदा हो। किसी भी मुद्दे पर भरपूर तथ्यों को जानने के बाद वह अपना मत स्वयं बनाने के लिए स्वतंत्र रहें। इसीलिए, यहां सम्राट अशोक या सिकंदर को ‘महान’ कहना अनावश्यक है। उससे मुश्किलें पैदा होती हैं। केवल उन ऐतिहासिक व्यक्तियों के कार्य एवं विचार प्रमाणिक रूप से सामने रख देना उचित है। इसी तरह, असुविधाजनक तथ्यों की लीपापोती भी अनुचित है। जैसे, भारतीय इतिहास में हजारों मंदिरों का विध्वंस अथवा समाज में चल रहा जातिगत भेदभाव। ठोस तथ्यों को सामने रखना न केवल सही शिक्षा है, बल्कि उसी से लोगों के बीच विश्वास और सद्भाव बनता है, क्योंकि सत्य किसी की हानि नहीं करता। जबकि मिथ्याकरण से संदेह, द्वेष और छल का अंतहीन क्रम बनता है, जिससे देर-सबेर समाज की हानि होती है। किसी घटना या व्यक्ति के बारे में अधिकाधिक और प्रमाणिक तथ्य रखना ही लेखक या शिक्षक का कर्तव्य है। उनसे किसी प्रश्न पर पाठक स्वयं उत्तर निकालेंगे। यह पद्धति ज्ञानवर्धक एवं रुचिकर होगी। दुर्भाग्यवश स्वतंत्र भारत में इतिहास शिक्षा राजनीति से ग्रस्त होती गई। इससे मिथ्याकरण को बढ़ावा मिला। हमारे अभिलेखागारों में तमाम दस्तावेज और पांडुलिपियां अनछुई हैं। युवा शोधकर्ताओं तथा छात्रों को उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उनके अध्ययन से पता चलेगा कि तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं। कालांतर में वे किसी भी रूप में ज्वालामुखी होकर फटती हैं। अज्ञेय ने कहा था, ‘जबरन दमित करने से कुछ स्मृतियां प्राकृतिक रूप से लुप्त नहीं हो पातीं। उलटे उनमें ऊर्जा का ऐसा संचय होने लगता है, जिसके परिणाम अपूर्वानुमेय हो जाते हैं।’ कुछ विद्वान मानते हैं कि कोई संपूर्णतः वैज्ञानिक या वस्तुगत इतिहास नहीं होता। हर लेखन में लेखक के कुछ आग्रह, पूर्वाग्रह या भूल होती ही है। भारतीय इतिहास में भी कई बड़े नेताओं के विचार और उनके व्यक्तिगत राग-द्वेष हैं। देश-विभाजन जैसे आकस्मिक फैसले से लाखों-करोड़ों लोगों की बेहिसाब हानि हुई। उसके अन्य क्रमिक परिणामों का बहीखाता भी खासा मोटा है। उनके तथ्य और सबक गंभीरता से जानने, समझने और विचार करने योग्य हैं। इसके बदले केवल गुलाबी रंग की अर्धसत्य जीवनियां पढ़ाना नितांत अहितकर है। इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है। युवा पीढ़ी को मात्र लफ्फाजी में उलझाए रखने वाले साहित्यकार, इतिहासकार और नेता गलती करते रहे हैं। कठोर वास्तविकताएं, अप्रिय प्रवृत्तियां भी मानव जीवन का अभिन्न अंग रही हैं। सच्ची शिक्षा पलायनवादी नहीं हो सकती। यथार्थ इतिहास और जनजीवन में राजनीतिक उद्देश्यों से काट-छांट, रंग-रोगन करना अंततः हानिकर साबित होता है, लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है। तब किनसे भावी पीढ़ियां कुछ सीख सकेंगी? असंख्य प्रसंगों एवं व्यक्तित्वों के विषय में जानकारी पर मानो ताला लगाए रखा गया है। सौभाग्यवश नई तकनीक ने पूरी दुनिया में इस तालाबंदी में सुराख कर दिया है। अब दुनिया के किसी भी कोने से कोई व्यक्ति उन्मुक्त रूप से किसी तथ्य और प्रमाण को पूरी दुनिया के सामने रख सकता है।

अतः यही उपयुक्त है कि सही इतिहास की शिक्षा दी जाए। किसी मतवाद, दल, नेता के हित या अहित की फिक्र से हटकर ही ज्ञान और विद्या का लाभ हो सकता है। भारत ही नहीं प्राचीन ग्रीक, चीनी या आधुनिक यूरोपीय शिक्षा चिंतन में भी ज्ञान या विवेक किसी सीमा से बंधा नहीं मिलता। उस उदात्तता से शिक्षा को अनिवार्यतः जुड़ा रहना चाहिए। यह विशेषकर इतिहास और साहित्य की शिक्षा में ध्यान रखने की बात है। इसके अभाव में हमारा अपना आपसी राष्ट्रीय संवाद तक बाधित हुआ है। ब्रिटिश शासनकाल में भारतीयों के बीच परस्पर संवाद अधिक सहज, जानकारीपरक और सद्भावपूर्ण था। जबकि आज अनेक छोटे-बड़े मुद्दों, दार्शनिक-पौराणिक विषयों पर भी हमारे नेता नितांत विपरीत और भ्रामक विचार भी रखते हैं। इसका एक बड़ा कारण लंबे समय से चल रहा इतिहास का मिथ्याकरण भी है। इसी कारण शिक्षित भारतीयों के बीच तथ्यों का पारदर्शी विनिमय बंद सा हो गया है। इससे विभिन्न हिस्सों के बीच संवादहीनता तथा नासमझी की एक खाई बनी है। अच्छा यही होगा कि हमारे नेता एवं नीतिकार दलबंदी से ऊपर उठकर सबको ईमानदारी से साथ लेकर ही शिक्षा और संस्कृति की चिंता करें।

(लेखक राजनीतिशास्त्र के प्राध्यापक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं।)

मुआवजा भुगतान में सरकार की लापरवाही को लेकर बार-बार आंदोलन पर किसान

दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया।

किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। किसानों की समस्याओं और उनकी मांगों पर पारदर्शी ढंग से बातचीत और समाधान न हो पाने का ही नतीजा है कि वे बार-बार आंदोलन की राह पर चल पड़ते हैं। गौतम बुद्ध नगर और उसके आसपास के जिलों के किसान इसीलिए एक बार फिर दिल्ली की तरफ कूच कर गए और सोमवार को दिन भर लोगों को यातायात में बाधा से जूझना पड़ा। दिल्ली-नोएडा सीमा पर भारी पुलिस बल तैनात होने और अवरोधक लगाए जाने के बावजूद किसान नहीं रुके। हालांकि शाम होते-होते उन्होंने अपना फैसला बदल लिया और कहा कि सरकार से बातचीत में अगर संतोषजनक नतीजे नहीं निकलते हैं, तो वे दिल्ली की तरफ फिर से कूच करेंगे। ये किसान कई वर्ष से अव्यावहारिक ढंग से निर्धारित किए गए मुआवजे में बढ़ोतरी और भुगतान की मांग कर रहे हैं। इससे पहले भी कई बार वे दिल्ली की तरफ बढ़ने का प्रयास कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं, मगर उनकी मांगों पर ठीक से विचार नहीं किया गया। दरअसल, अलग-अलग सरकारों के समय अलग-अलग मुआवजा नीति के तहत नोएडा के किसानों से ली गई जमीन का भुगतान किया गया। उनमें बहुत सारे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पाया, जिसे लेकर वे आंदोलन करते रहे हैं। विकास परियोजनाओं के लिए ली गई जमीन के मुआवजा भुगतान में अपारदर्शिता की शिकायतें अक्सर मिलती रही हैं। उनके निपटारे पर गंभीरता नहीं दिखाई जाती, जिसके चलते हजारों किसान लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं। यों तो सरकारें किसानों की आय बढ़ाने, आपदा के समय उनकी फसल का उचित मुआवजा दिलाने, फसल बीमा, किसान कर्ज में सहूलियत, भूमिहीन किसानों के लिए रोजगार, जमीन के मुआवजे का उचित भुगतान आदि के दावे बढ़-चढ़ कर करती हैं, मगर हकीकत यही है कि भ्रष्टाचार के कारण किसानों तक वाजिब रकम नहीं पहुंच पाती। गौतमबुद्ध नगर के किसान पिछले दस वर्षों में अधिग्रहीत भूमि का बाजार मूल्य से चार गुना अधिक भुगतान करने, उससे पहले यानी पुरानी अधिग्रहण नीति के तहत ली गई जमीन का बढ़ी हुई कीमत पर भुगतान करने, इन मांगों के संबंध में गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की सिफारिशों को लागू करने आदि की मांग कर रहे हैं। ये ऐसे मुद्दे नहीं हैं, जिन पर किसानों के साथ तार्किक ढंग से बात न की जा सके। इस मामले में प्रशासनिक शिथिलता के कारण किसान धुंधलके में बने हुए हैं। दरअसल, किसानों की समस्याओं पर कोई भी सरकार संवेदनशील नजर नहीं आती। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी का मुद्दा पुराना है। इसे लेकर किसान लंबे समय तक धरने पर बैठे रहे। प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में शीघ्र निर्णय किया जाएगा और किसानों ने धरना वापस ले लिया था। मगर अब तक उस दिशा में कोई कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सका है। इस वजह से कई बार पंजाब और हरियाणा के किसान दिल्ली कूच को निकल चुके हैं, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस को शक्ति प्रदर्शन करना पड़ा। अपनी समस्याओं को लेकर मांग उठाना किसानों का संवैधानिक अधिकार है। मगर सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वे उनकी मांगों पर संजीदगी दिखाएं। दोनों के बीच जब-तब जोर आजमाइश की कोशिशों से आखिरकार आम लोगों को नाहक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों की समस्याओं के निपटारे के लिए कोई पारदर्शी और व्यावहारिक तंत्र क्यों नहीं बनना चाहिए?

चीन-नेपाल की नजदीकी का क्या है मतलब ?

इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतिकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की ‘पड़ोसी प्रथम’ नीति को कमजोर करार देने के बराबर है।

भारत और नेपाल पनबिजली क्षेत्र में एक और मजबूत साझेदारी की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके अलावा आज भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सीमा विवाद जैसे मुद्दे के बावजूद भारत और नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आई है। दोनों देश विज्ञान और तकनीक जैसे नए क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पहली विदेश यात्रा पर चीन पहुंच गए हैं। इस यात्रा को नेपाल को चीन के और नजदीक ले जाने का सूचक माना जा रहा है, क्योंकि परंपरागत तौर पर नेपाल के नए प्रधानमंत्री पहली विदेश यात्रा पर भारत आते रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत विरोध और चीन से मित्रता ओली की व्यक्तिगत रुचि रही है। ओली हमेशा चीन के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने भारत विरोध का सहारा लेकर ही अपनी राजनीति मजबूत की है, फिर चाहे वह 2015 में की गई सीमा की नाकाबंदी हो, 2019 में सीमा-विवाद का राजनीतिकरण करना हो या फिर नेपाल का एक विवादित नक्शा लाना हो, जिसमें नेपाल ने भारत के कुछ संप्रभु क्षेत्रों को अपना दिखाया। ओली का राजनीतिक झुकाव चीन की ओर होना भारत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, लेकिन उनकी इस यात्रा को नेपाल का भारत से दूर जाना मान लेना भारत की ‘पड़ोसी प्रथम’ नीति को कमजोर करार देने के बराबर है। तथ्य बताते हैं कि जितनी भी बार ओली और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल (एमाले) ने चीन के साथ समझौते या राजनीतिक संबंधों की वकालत की है, वह मुख्यतः प्रतीकात्मक ही रही है और परिणामों पर कम खरी उतरी है। चूंकि नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता एक सामान्य बात है और हर छह-आठ महीनों में एक नई सरकार आती है, ऐसे में हर प्रधानमंत्री का भारत आना नेपाली विदेश नीति के लिए दूसरे पड़ोसी देश की अनदेखा करने का संकेत माना जा सकता है। इससे उसके हित प्रभावित हो सकते हैं। यहां यह भी देखना जरूरी है कि ओली नेपाली कांग्रेस पार्टी के साथ एक गठबंधन वाली सरकार चला रहे हैं और नेपाली कांग्रेस भारत के साथ मजबूत संबंधों की वकालत करती रही है। चूंकि मौजूदा सरकार में विदेश मंत्री नेपाली कांग्रेस से हैं, ऐसे में नेपाली कांग्रेस भारत के साथ इतना बड़ा जोखिम लेने से बचेगी। इसलिए नेपाल दो पड़ोसियों के बीच संतुलित विदेश नीति बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ओली का चीन के प्रति झुकाव नेपाल के लिए फायदे का सबब बना है? उत्तर नकारात्मक ही है, क्योंकि नेपाल और चीन के बीच जितने भी बड़े समझौते पिछले दस वर्षों में हुए हैं, उनमें ज्यादातर ठंडे बस्ते में पड़े हैं और यह बात चीन को सताती रही है। मई 2017 में चीन ने नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर समझौता किया, जिसे चीन की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता के तौर पर देखा गया, क्योंकि भारत लगातार बीआरआई के अंतर्गत बने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की आलोचना करता रहा है। बीआरआई समझौते के तहत चीन को नेपाल में बड़े बुनियादी ढांचे वाली तमाम परियोजनाओं में निवेश करना है, जिनमें ट्रांस-हिमालयन बहुआयामी कनेक्टिविटी नेटवर्क खास है, जो नेपाल को रेल एवं सड़क मार्ग से तिब्बत प्रांत से जोड़ने वाला है। इससे ऐसा लगा कि नेपाल चीन के रास्ते भारत पर अपनी निर्भरता कम करने का मार्ग खोज रहा है, लेकिन करीब सात वर्ष बीत जाने के बाद भी नेपाल में ऐसी एक भी परियोजना लागू नहीं हो सकी है। इसके दो कारण हैं। पहला, नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के चलते परियोजनाओं की पहचान नहीं हो पाई है। दूसरा, नेपाल लगातार चीन से बीआरआई के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए सहयोग वित्तीय सहायता के तौर पर चाहता है। जबकि चीन कर्ज देने में रुचि रखता है। श्रीलंका का उदाहरण देखते हुए नेपाल इससे डर रहा है। बड़े कर्ज के चलते श्रीलंका को अपने हंबनटोटा जैसे बंदरगाह का नियंत्रण चीन के हाथों में देना पड़ा है। अगर नेपाल चीन से कर्ज लेता है तो भविष्य में उसे नेपाल पर दबाव बनाने का अवसर मिलेगा, जो बीआरआई का मुख्य वैश्विक उद्देश्य रहा है। वर्ष 2016 में ओली ने अपनी चीन यात्रा के दौरान उसके साथ परिवहन एवं परिगमन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत नेपाल चीन के छह बंदरगाहों के रास्ते अन्य देशों से व्यापार कर सकता है।

भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खतरे को कम करने के लिए अधिक समय तक क्रीज पर टिके रहें. - गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी लगातार अपनी जीत का दावा कर रहे थे. हालांकि, टीम इंडिया ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में बड़ी आसानी से जीत दर्ज कर ली. अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने अपनी टीम को सलाह दी है।

एडम गिलक्रिस्ट ने रन बनाने के लिए जूझ रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को सलाह दी है कि वे एडिलेड में पिंक बॉल से खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के खतरे को कम करने के लिए अधिक समय तक क्रीज पर टिके रहें. उन्होंने खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में बनाए रखने का भी समर्थन किया है। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन सहित ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाज पहले टेस्ट में नहीं चल पाए थे, जिसे भारत ने 295 रन से जीता था. दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट डे-नाइट होगा, जो 6 दिसंबर, शुक्रवार से एडिलेड में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में एडम गिलक्रिस्ट ने कहा, मार्नस पर ऐसा करने (क्रीज पर टिके रहने) की जिम्मेदारी थी और उन्होंने 50 से अधिक गेंदों का सामना करके अच्छा प्रयास किया. अगर आप टेस्ट पारी में 50 से अधिक गेंद का सामना करते हैं तो आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. बस वह रन बनाने का तरीका नहीं ढूंढ पाया और संभवतः ऑस्ट्रेलिया के सभी खिलाड़ी अब सामूहिक रूप से ऐसा प्रयास करना चाहेंगे.

इससे जोखिम पैदा होगा, लेकिन जोखिम लेकर ही आप सफल हो सकते हैं।

लाबुशेन पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं, लेकिन गिलक्रिस्ट ने उन्हें टीम में बनाए रखने का समर्थन किया है. उन्होंने कहा, उन्हें यह याद दिलाने की जरूरत है कि वह बेहद कुशल बल्लेबाज हैं. मुझे यकीन है कि उनके आस-पास के लोग पहले से ही ऐसा कर रहे होंगे. उन्हें अपने अभ्यास पर भरोसा करना होगा।

पाकिस्तान टीम ने पहली बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता

नई दिल्ली। पाकिस्तान के क्रिकेट फैंस इस समय फूले नहीं समा रहे होंगे क्योंकि 3 दिसंबर को पाक टीम ने पहली बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता है. अब पाकिस्तान टीम ने टी20 सीरीज के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को महज 57 रनों पर ऑलआउट कर दिया है. जिम्बाब्वे के लिए सर्वाधिक स्कोर ब्रायन बैनेट ने बनाया, जिनके बैट से 21 रन निकले. आलम यह रहा कि टीम के 9 बल्लेबाज रनों के मामले में दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए. ये दोनों कारनामे एक ही दिन में हुए हैं.

इस मैच से पूर्व जिम्बाब्वे का टी20 क्रिकेट में सबसे कम स्कोर 82 रन था. इसी साल जनवरी में श्रीलंका ने जिम्बाबे को महज 82 रनों पर ऑलआउट कर दिया था. मगर अब पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे को सबसे कम स्कोर पर समेटने का

रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. पूरी टीम ही 57 रनों पर ऑलआउट हो गई. एक समय जिम्बाब्वे ने बिना विकेट गंवाए 37 रन बना लिए थे, लेकिन अगले महज 20 रन के भीतर सारे 10 विकेट गिर गए. पाकिस्तान ने 58 रनों का लक्ष्य महज 33 गेंदों में हासिल कर लिया है।

ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप में भी रचा इतिहास

ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत साल 2012 में हुई थी और अब तक इसके चार संस्करण हो चुके हैं.

पाक टीम 2012 और 2017 में हुए विश्व कप के फाइनल में पहुंची, लेकिन दोनों बार उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी. इस बार आखिरकार पाकिस्तान ने फाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप जीता. पाक टीम की जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि टीम ने 140 रनों के लक्ष्य को बिना विकेट गंवाए मात्र 11 ओवरों में हासिल कर लिया था. पाक टीम ने यह जीत मुल्तान में अपने घरेलू फैंस के सामने दर्ज की.

गौतम गंभीर भारतीय टीम से जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौ

नई दिल्ली। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए हैं। 26 नवंबर को गौतम फैमिली फंक्शन में हिस्सा लेने के लिए भारत गए हुए थे। गौतम कैनबरा में हुए दो दिवसीय पिंक बॉल प्रैक्टिस मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे। इस मैच को भारत ने 6 विकेट से जीता था।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इस मैच में वापसी कर रहे कप्तान रोहित शर्मा मिडिल आर्डर में बल्लेबाजी करते दिख सकते हैं। रोहित पर्थ टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं थे।। वे पैटर्नटी लीव पर थे। रोहित की पत्नी रितिका ने बेटे को जन्म दिया है।

गंभीर के न रहने पर असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर और रेयान टेन डोशेट की देखरेख में भारतीय टीम ने ट्रेनिंग की थी।

गंभीर के न रहने पर असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर और रेयान टेन डोशेट की देखरेख में भारतीय टीम ने ट्रेनिंग की थी।

दूसरे टेस्ट के लिए क्या होगी प्लेइंग-11

गंभीर के लिए दूसरे मैच की प्लेइंग-11 चुनना सबसे बड़ा सिरदर्द होगा। टीम में कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हुई है। वहीं प्रैक्टिस मैच में शुभमन गिल ने शानदार अर्धशतक लगाया था। टीम देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह इन दोनों प्लेयर्स को प्लेइंग-11 में शामिल करेगी। लेकिन सवाल ये बनता है कि टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन क्या होगा।

पर्थ टेस्ट की दूसरी इनिंग में जायसवाल और केएल राहुल ने डबल सेंचुरी पार्टनरशिप की थी। वहीं पिंक बॉल टेस्ट में भी जायसवाल के साथ राहुल ओपन करने उतरे थे। इस मैच में रोहित शर्मा ने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की थी। ऐसे में एडिलेड टेस्ट में जायसवाल-राहुल की सलामी जोड़ी के साथ गिल तीसरे नंबर पर और रोहित, विराट के बाद मिडिल आर्डर में बैटिंग कर सकते हैं।

गंभीर के न रहने पर भारत ने दो दिन के टूर गेम में ऑस्ट्रेलिया क्रू-11 को 6 विकेट से हराया था। हालांकि दो दिन तक चलने वाला यह पिंक बॉल मैच पहले दिन बारिश की वजह से शुरू नहीं हो सका था। जिसके बाद 1 दिसंबर को दोनों टीमों ने 46-46 ओवर का मुकाबला खेला था।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री इलेवन ने भारत के सामने 241 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे टीम ने 42.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत के लिए अंगूठे की चोट से वापसी कर रहे शुभमन गिल ने सबसे ज्यादा 50 रन बनाए थे। वहीं हर्षित राणा ने 4 विकेट लिए।

22 दिसंबर को शादी करेंगी पीवी सिंधु पिता ने बताया- उदयपुर में होगा समारोह

लखनऊ। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु शादी करने जा रही हैं। वे 22 दिसंबर को उदयपुर में हैदराबाद में रहने वाले वेंकट दत्ता साई से शादी के बंधन में बंधेंगी। वेंकट पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजीस में कार्यकारी निदेशक हैं। सिंधु के पिता पीवी रमन ने सोमवार रात लखनऊ में कहा- दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे, लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ। यह एकमात्र संभावित समय था, क्योंकि जनवरी से उसका (सिंधू का) कार्यक्रम काफी व्यस्त रहने वाला है।

सिंधु के पिता ने कहा, यही कारण है कि दोनों परिवारों ने 22 दिसंबर को शादी समारोह आयोजित करने का फैसला किया। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा। वे जल्द ही अपनी ट्रेनिंग शुरू कर देंगी, क्योंकि अगला सीजन काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। शादी से जुड़े कार्यक्रम 20 दिसंबर से शुरू होंगे।

29 साल की भारतीय स्टार पीवी सिंधु ने सोमवार रात सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट का टाइटल जीत लिया। उन्होंने चीन की वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से हराया। सिंधु ने 2 साल 4 महीने बाद कोई टाइटल जीता था। उन्होंने जुलाई 2022 में आखिरी टाइटल जीता था। भारतीय स्टार ने कहा था- इस जीत से मेरा आत्म विश्वास बढ़ेगा। 29 वर्ष का होना मेरे लिए कई मायनों में फायदेमंद है। मेरे पास काफी अनुभव है। मैं निश्चित रूप से कुछ वर्षों तक खेलूंगी।

पीवी सिंधु के लिए पेरिस ओलिंपिक निराशाजनक रहा था। वे राउंड ऑफ 16 से बाहर हो गई थीं। उन्हें चीन की ही बिंग जोओ ने 21-19, 21-19 से हराया था।

नाहिद राणा ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेला, किंग्स्टन टेस्ट के तीसरे दिन 211 रन की बढ़त बनाई

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज नाहिद राणा (5 विकेट) की सटीक गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने किंग्स्टन में वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेल दिया है। सोमवार को मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप्स तक बांग्लादेशी टीम ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 193 रन बना लिए हैं। जाकेर अली 29 और तैजुल इस्लाम 9 रन के स्कोर पर नाबाद हैं। बांग्लादेशी टीम ने पहली पारी में 164 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 146 रन पर ऑलआउट कर दिया और 18 रन की बढ़त ली। फिलहाल, टीम की कुल बढ़त 211 रन हो चुकी है।

शून्य पर गंवाया पहला विकेट, शदमान-मेहदी फिफ्टी चूके

दूसरी पारी में बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। टीम ने शून्य के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। जब जॉयडन सिल्स ने पहले ओवर की 5वीं बॉल पर महमुदुल्ला हसन जॉय को एथनॉज के हाथों स्लिप पर कैच कराया। ऐसे में शदमान इस्लाम ने शहादत हुसैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन वे 46 रन पर आउट हो गए। कप्तान मेहदी हसन मिराज ने 42 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने दो विकेट झटके। एक-एक विकेट जॉयडन सिल्स, अल्जारी जोसेफ और जस्टिन ग्रेवस ने लिए।

वेस्टइंडीज 146 रन पर आउट, केसी कर्टी ने 40 रन बनाए

वेस्टइंडीज की पहली पारी में महज 146 रन पर ऑलआउट हो गई। टॉप-3 के अलावा, टीम का कोई भी गेंदबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सका। ओपनर क्रेग ब्रेथवेट ने 39, माइक लुइस ने 12 और केसी कर्टी ने 40 रन बना सके। नाहिद राणा के अलावा, हसन महमुद ने 2 विकेट लिए। तस्कीन अहमद, तैजुल इस्लाम और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक विकेट लिए।

व्यापार

जुलाई-सितंबर तिमाही में स्विगी को 626 करोड़ का घाटा, रेवेन्यू 30 प्रतिशत बढ़कर 3601 करोड़ रहा

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 626 करोड़ रुपए का नुकसान (कॉन्सोलिडेटेड नेट लॉस) हुआ है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 657 करोड़ रुपए का लॉस हुआ था। सालाना आधार पर कंपनी का घाटा 4.72 प्रतिशत कम हुआ है। जुलाई-सितंबर तिमाही में रेवेन्यू 30.33 प्रतिशत बढ़कर 3601 करोड़ रुपए रहा। जुलाई-सितंबर 2023-24 में कंपनी ने 2763 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से होने वाली कमाई को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। स्विगी 13 नवंबर को शेयर बाजार में लिस्ट हुई थी, तब से अब तक इसके शेयर में 14.18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

वित्त वर्ष 2024 में स्विगी की फाइनेंशियल कंडीशन में भी सुधार हुआ था। एफवाई 2024 में स्विगी का रेवेन्यू 36त्न बढ़कर 11,247 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले वित्त वर्ष में 8,265 करोड़ रुपए था।

वहीं कंपनी ने इस दौरान अपने घाटे को भी 44 प्रतिशत तक कम कर लिया और वित्त वर्ष 2024 में यह 2,350 करोड़ रुपए रहा, जो इसके पिछले साल 4,179 करोड़ रुपए था। कंपनी को अपनी लागत को काबू में रखने के चलते घाटा कम करने में मदद मिली है।

हालांकि, स्विगी का प्रदर्शन जोमैटो की तुलना में कम है, फिर भी उसने स्नङ्ख24 में अपने प्रतिद्वंद्वी से अंतर को कम किया है। जोमैटो ने वित्त वर्ष 2024 में 12,114 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया, जबकि स्विगी का रेवेन्यू 11,247 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह, जोमैटो ने 351 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, जबकि स्विगी का घाटा 2,350 करोड़ रुपए रहा था।

एपल पर अपने एम्प्लॉइज की जासूसी का आरोप उसके कर्मचारी ने ही दायर किया मुकादमा

कैलिफोर्निया। टेक कंपनी एपल पर अपने एम्प्लॉइज के डिवाइस और आई कलाउड अकाउंट के जरिए अवैध रूप से जासूसी करने का आरोप लगा है। कंपनी के डिजिटल एडवरटाइजिंग डिपार्टमेंट में काम करने वाले एम्प्लॉई अमर भक्त ने रविवार (2 दिसंबर) को कैलिफोर्निया में मुकादमा दायर कर ये आरोप लगाया है।

अमर ने दावा किया है कि एपल एम्प्लॉई से नौकरी की शर्त के तौर पर निजता के अधिकार को छोड़ने की मांग करता है। मुकदमे में यह भी आरोप लगाया गया है कि एपल एम्प्लॉइज को एक ऐसी नीति पर सहमत होने की मांग भी करता है, जिसके तहत कंपनी उनके घर में रहते हुए भी फिजिकल, वीडियो और इलेक्ट्रॉनिक रूप से निगरानी कर सकती है।

एपल एम्प्लॉइज से किसी भी काम के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पर्सनल डिवाइस पर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने की मांग करता है। यह सॉफ्टवेयर एपल को एम्प्लॉइज के पर्सनल डिवाइस पर कुछ ऐप्स तक पहुंचने की अनुमति देता है।

मुकदमे में दावा किया गया कि एम्प्लॉइज के लिए एपल इकोसिस्टम कोई चारदीवारी वाला बगीचा नहीं है। यह एक जेल यार्ड है। एक ऐसा पैनोप्टिकॉन, जहां एम्प्लॉई चाहे ड्यूटी पर हों या नहीं एपल की निगरानी में रहते हैं।

अमर का कहना है कि एपल एम्प्लॉइज के पर्सनल डेटा की जासूसी करता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एपल की पॉलिसी में कहा गया है कि अपने पर्सनल डिवाइस का इस्तेमाल करते समय एम्प्लॉई के पर्सनल अकाउंट से जुड़ा कोई भी डेटा कंपनी के सर्च के अधीन है। इसमें ईमेल, फोटो, वीडियो, नोट्स सहित अन्य चीजें शामिल हैं। अमर भक्त ने मुकदमे में यह भी आरोप लगाया कि एपल एम्प्लॉइज को उनके काम करने की स्थिति और वेतन के बारे में बात करने की अनुमति न देकर उनके बोलने पर प्रतिबंध लगाता है। यहां तक की कंपनी एम्प्लॉइज की राजनीतिक गतिविधियों पर भी प्रतिबंध लगाती है।

कोयला खदानों से गैस निकालने की योजना पकड़ेगी रफ्तार, 85 अरब रुपये की मदद देगी सरकार

नई दिल्ली। कोयला खदानों से गैस निकालने की सरकार की मंशा दो दशक पुरानी है लेकिन इसमें अभी तक खास सफलता हासिल नहीं हुई है। लेकिन अब उम्मीद की जा रही है कि इस बारे में सरकार की योजना जल्द ही रफ्तार पकड़ेगी। इस क्रम में सोमवार को केंद्र सरकार की तरफ से चार कंपनियों का चयन किया गया है जिन्हें कोल गैसिफिकेशन प्रोजेक्ट के तहत वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इनके नाम हैं भारत कोल गैसिफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड और गेल इंडिया का संयुक्त उपक्रम, कोल इंडिया और न्यू इरा क्लीनटेक सोल्यूशंस। इसमें न्यू ईरा क्लीनटेक सॉल्यूशंस को तीसरी श्रेणी के तहत छोटे आकार की परियोजना लगाने की अनुमति होगी और इस हिसाब से इसे वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा।

केंद्रीय कैबिनेट ने कुछ महीने पहले

8500 करोड़ रुपये की एक प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी थी। इस फंड से उन कंपनियों को राशि उपलब्ध कराई जाएगी जो देश के कोयला खदानों से गैस निकालने की योजना में काम करेंगे। इसके लिए कोयला मंत्रालय के पास पांच कंपनियों ने आवेदन किया था। इनमें से ही उक्त चारों कंपनियों का चयन किया गया है।

कंपनियों को उक्त परियोजना लगाने के लिए पूंजीगत उत्पाद खरीदने को कर छूट दिया जाएगा और ब्याज दर अदाएगी आदि में सब्सिडी दी जाएगी। सरकार ने वर्ष 2030 तक कोल गैसिफिकेशन परियोजनाओं से 10 करोड़ टन गैस निकालने का लक्ष्य रखा है। इसकी घोषणा आम बजट 2024-25 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने की थी।

देश के कोल गैसिफिकेशन क्षेत्र में सरकार व निजी कंपनियों की तरफ से अगले कुछ वर्षों में चार लाख करोड़ रुपये का निवेश किये जाने की संभावना है।

इसमें रोजगार के नये अवसर भी काफी निकलेंगे। कोयला मंत्रालय का आंकलन है कि यह भारत में कार्बन उत्सर्जनक कम करने में भी काफी मददगार साबित होगा।

कोयला खदानों से निकलने वाले गैस का इस्तेमाल ईंधन में या औद्योगिक क्षेत्र में किया जा सकता है। इसकी आपूर्ति गैस आधारित बिजली संयंत्रों को भी हो सकती है। भारत में अभी 24 हजार मेगावाट क्षमता की बिजली परियोजनाएं गैस की कमी की वजह से ठप्प पड़ी हुई हैं। इन्हें कोल गैसिफिकेशन से प्लांट से गैस की आपूर्ति हो सकती है।

अगर बड़ी मात्रा में गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होती है तो सरकार की तरफ से संबंधित कोयला खदान के आस पास उर्वरक प्लांट लगाने का फैसला भी हो सकता है।

मॉर्गन-स्टेनली ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाया वित्त वर्ष 25 के लिए 6.7 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 25 के लिए भारत की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान को रिवाइज कर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी ने पहले यह अनुमान 6.7 प्रतिशत बताया था।

मॉर्गन स्टेनली ने इससे पहले भारत की ग्रोथ रेट का अनुमान वित्त वर्ष 25 के लिए 6.7 प्रतिशत बताया था। सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही में ग्रोथ स्लोडाउन के बाद मॉर्गन स्टेनली ने यह डाउनग्रेड किया है।

भारत की जीडीपी ग्रोथ 2024 की जुलाई-सितंबर तिमाही में साल-दर-साल धीमी होकर 5.4 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के बाद से इसका सबसे निचला स्तर है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के खराब प्रदर्शन के कारण

जीडीपी ग्रोथ धीमी हुई है।

2023 की तीसरी तिमाही में ग्रोथ 4.3 प्रतिशत रही थी। वहीं एक साल पहले समान तिमाही में यह 8.1 प्रतिशत थी। पिछली तिमाही यानी, क्यू1एफवाई25 में ये 6.7 प्रतिशत रही थी। भारत का जीवीए जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में जीवीए ग्रोथ 7.7 प्रतिशत रही थी। वहीं पिछली तिमाही में जीवीए ग्रोथ 6.8 प्रतिशत थी।

धीमी जीडीपी ग्रोथ के बावजूद भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच अभी भी सबसे तेजी से बढ़ती इकोनॉमी बना हुआ है। इस साल जुलाई-सितंबर तिमाही में चीन की त्नष्ठक्क ग्रोथ 4.6 प्रतिशत रही। वहीं जापान की जीडीपी 0.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

जीडीपी यानी ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट देश में एक अवधि के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापती है। इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है। जीडीपी इकोनॉमी की हेल्थ को बताती है।

जीडीपी दो तरह की होती है। रियल जीडीपी में वस्तुओं और सेवाओं की वैल्यू का कैलकुलेशन बेस ईयर की वैल्यू या स्टेबल प्राइस पर किया जाता है। फिलहाल जीडीपी को कैलकुलेट करने के लिए बेस ईयर 2011-12 है। वहीं, नॉमिनल त्नष्ठक्क का कैलकुलेशन करंट प्राइस पर किया जाता है। साधारण शब्दों में कहा जाए तो जीवीए से किसी अर्थव्यवस्था में होने वाले कुल आउटपुट और इनकम का पता चलता है। यह बताता है कि एक तय अवधि में इनपुट कॉस्ट और कच्चे माल का दाम निकालने के बाद कितने रुपए की वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन हुआ। इससे यह भी पता चलता है कि किस खास क्षेत्र, उद्योग या सेक्टर में कितना उत्पादन हुआ।

नेशनल अकाउंटिंग के नजरिए से देखें तो मैक्रो लेवल पर त्नष्ठक्क में सब्सिडी और टैक्स निकालने के बाद जो आंकड़ा मिलता है।

हिंदुस्तान एक्सप्रेस के खबर की सत्यता पर लगी मोहर

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर में शराबखोरी करते युवकों के खिलाफ पुलिस की कार्यवाही

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

शिक्षा का मंदिर एवं उत्कृष्ट विद्यालय का मैदान बना शराबियों का मयखाना

प्रतिदिन बिखरी पड़ी होती है मैदान पर कांच की बोतल

(ब्यूरो राजेश शिवहरे) अनूपपुर। जिला मुख्यालय का एकमात्र मैदान उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर में है, जिसमें हर तरह के शासकीय कार्य, समारोह होते है गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस की प्रमुख समारोह भी इसी मैदान में आयोजित होती है, मगर आज यह मैदान शराबियों का मयखाना बन गया, जिसमें बैठकर शराबी रात में शराब पीते है और नशा करते है। इस मैदान में छोटे-छोटे बच्चे खेल खेलते है, सेना और पुलिस में जाने वाली युवा, युवतियां खेलने और दौड़ने इसी मैदान में आते हैं, वहीं पर शराब की बोतले ट्रैक पर टूटी हालत में पूरे ...

... बैठकर शराब पी और खाली डब्बा गेट पर ही रख दिया और पूरे विद्यालय परिसर में खाली बीयर की बोतले बिखरे हुए पड़े हुए थे। सुबह-सुबह खेलने आने वाले, घूमने, सैर करने वालो ने इस पर घोर नाराजगी व्यक्त की है।

जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन विद्यालय के प्राचार्य महोदय से अपेक्षा है कि इस पर गंभीरता से विचार करते हुए शराबियों को इस परिसर में घुसने पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया जा सके, जिससे वहां खेलने आने वालों पर बुरा प्रभाव न पड़े, आशा है इस पर प्रशासन गंभीरता से विचार कर इस पर रोक लगाएगी।

हिंदुस्तान एक्सप्रेस के खबर की सत्यता पर लगी मोहर

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिला पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशानुसार, जिले के विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों में शराबखोरी या किसी भी प्रकार के असामाजिक कृत्य की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार रात को कोतवाली पुलिस ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के बरामदे में शराब का सेवन कर रहे तीन युवकों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

घटना का विवरण

रात्रि करीब 10:00 बजे टी.आई. कोतवाली, अरविंद जैन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार साहू और आरक्षक कपिल सोलंकी व गिरीश चौहान ने चेकिंग के दौरान, जैतहरी रोड स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राथमिक शाला के बरामदे में तीन युवकों को शराब पीते हुए पकड़ा। मौके से शराब की बोतल, पानी के पाउच, डिस्पोजल गिलास और नमकीन आदि बरामद किए गए।

गिरफ्तार आरोपियों का विवरण

1. आशुतोष पनगरे, पिता संतोष कुमार पनगरे, उम्र 24 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 13, उज्ज्वला कॉलोनी, अनूपपुर।
2. शुभ शर्मा, पिता उत्तम शर्मा, उम्र 24 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 09, बिहारी कॉलोनी, अनूपपुर।
3. अक्षत यादव, पिता रविशंकर यादव, उम्र 20 वर्ष, निवासी बिहारी कॉलोनी, अनूपपुर।

आरोपियों पर कार्रवाई

आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 510/24, धारा 36(ब) मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक की अपील

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने नागरिकों से अपील की है कि यदि जिले के किसी भी विद्यालय या आंगनवाड़ी केंद्र में कोई व्यक्ति शराबखोरी या अन्य असामाजिक गतिविधि करता है, तो इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस कंट्रोल रूम में दें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिक्षा के पवित्र स्थलों को असामाजिक तत्वों से मुक्त रखा जा सके, पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस खबर को हिंदुस्तान एक्सप्रेस ने पूर्व में प्राथमिकता के साथ जोर-शोर से उठाया था। उसी खबर के आगाज के चलते पुलिस ने कार्यवाही कर एक सराहनीय कार्य किया है। इस पूरी कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के साथ-साथ पुरी कोतवाली की टीम बधाई की पात्र है। इस कार्यवाही से शराबियों, नशेड़ियों के बीच में भय का वातावरण निर्मित हुआ है। नशेड़ी, शराबखोर कहीं भी सार्वजनिक स्थलों पर बैठकर नशा करने लगते हैं, इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ता है, इस पर पुलिस को पूरी तरह से लगाम लगाना होगा, कुछ हद तक लगाम लगाया भी जा चुका है।

जनसुनवाई में 66 आवेदकों ने कलेक्टर को बताईं अपनी समस्याएं

– सभी आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के अधिकारियों को दिये गए निर्देश

अनूपपुर। कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 66 आवेदकों ने अपने आवेदन कलेक्टर हर्षल पंचोली के समक्ष प्रस्तुत किए। आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, सहायक कलेक्टर एवं एसडीएम अनूपपुर महिपाल सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं।

जनसुनवाई में ग्राम चुकान तहसील कोतमा के अरुण कुमार पनिका ने भूमि का फौती नामांतरण कराए जाने, ग्राम लतार तहसील अनूपपुर के उदय कुमार अहिरवार ने ग्राम पंचायत लतार में सचिव के अनुपस्थित रहने के संबंध में, ग्राम अगरियानार तहसील अनूपपुर के द्वारिका यादव ने मेकल क्लब अनूपपुर में किए गए मजदूरी का भुगतान कराए जाने, ग्राम डोंगराटोला तहसील अनूपपुर की शोभनी बैगा ने उपचार हेतु सहायता राशि दिलाए जाने, ग्राम सिवनी तहसील जैतहरी के लक्ष्मी प्रसाद सोनी ने नक्शा तरमीम की नकल दिलाए जाने, ग्राम बम्हनी तहसील अनूपपुर के वेद प्रकाश शुक्ला ने फॉर्मर आईडी बनवाए जाने, ग्राम अमदरी तहसील पुष्पराजगढ़ के आनन्द कुमार चंद्रवंशी ने अतिथि शिक्षक भर्ती के संबंध में आवेदन दिए।

केबीसी 16 पर, अमिताभ बच्चन ने बताया कि कैसे उन्होंने हाल ही में कुछ कंप्यूटर शॉर्टकट सीखे, एक मज़ेदार ट्विस्ट के साथ

इस सप्ताह सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर, महानायक अमिताभ बच्चन की मेज़बानी वाले कौन बनेगा करोड़पति 16 में, दर्शक बिलासपुर, छत्तीसगढ़ के अनुराग चौरसिया को हॉटसीट पर देखेंगे। अनुराग सरकारी सेक्टर में काम करते हैं, जहां वह किसानों को मनरेगा योजना के तहत नौकरी के अवसर प्रदान करते हुए, उन्हें आजीविका कमाने में मदद करने में भूमिका निभाते हैं।

जब अमिताभ बच्चन ने उनसे तकनीक में हुए हालिया नवाचारों के बारे में पूछा, तो अनुराग ने नए डेवलपमेंट्स पर अपडेट रहने के अपने जुनून को साझा किया। अपनी बातचीत के दौरान, अनुराग ने बताया कि वह अपना अधिकांश समय नवीनतम गैजेट्स, उनकी कीमतों और विवरणों के बारे में जानने में बिताते हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी मेरे सहकर्मी या दोस्त किसी टेक संबंधी चीज में फंस जाते हैं, तो वे मदद के लिए मुझे बुलाते हैं। उनके लिए, मैं किसी टेक्निकल एक्सपर्ट की तरह हूं।'

उत्सुकतावश, अनुराग ने मिस्टर बच्चन से पूछा, 'जब भी आपको कोई गैजेट खरीदना होता है या कहीं फंस जाते हैं, तो क्या आप भी किसी से मदद मांगते हैं?' अमिताभ बच्चन ने मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब दिया, 'सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि कई लोगों से। एक नहीं, 5-6 लोग हैं। विडंबना यह है कि जब मुझे मदद की ज़रूरत होती है, तो मैं तुरंत समाधान चाहता हूं लेकिन समस्याएं हमेशा आधी रात के बाद, 12-1 बजे के आसपास पैदा होती हैं।' दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। वह आगे कहते हैं, 'मैं अब होशियार हो गया हूं और ऐसे लोगों को चुनता हूं जो सुबह 3 बजे से पहले नहीं सोते हैं, उनमें से कुछ मेरे परिवार से ही हैं ङ्क जैसा पोता-पोती है, अभिषेक जी हैं। और मैं हमेशा यह समझना चाहता हूं कि यह कैसे काम करता है। मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकता?' वे मुझसे कहते हैं, 'आपकी उमर हो गई है, आप घर बैठिए - हम बताएंगे आपको।' मुस्कुराते हुए, श्री बच्चन ने कहा, 'मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि आपके जाने से पहले मुझे आपका नंबर चाहिए। अगर आपको आधी रात या रात एक बजे के आसपास हिचकी आने लगे, तो जान लें कि मैं आपको याद कर रहा हूं!'

अनुराग ने बताया कि अगर वह ईनाम राशि जीतते हैं, तो वह एक सुंदर घर बनाना चाहेंगे। उनका सपना अपने घर में एक जकूज़ी लगाने का है, ऐसी लक्ज़री जो वह हमेशा से अपनी ज़िंदगी में चाहते थे। जबकि वह 50 लाख रुपये के सवाल का सामना करने के लिए तैयार हैं, क्या उनकी तकनीकी विशेषज्ञता और दृढ़ संकल्प उन्हें अपने सपने के एक कदम और करीब ले जा पाएंगे?

ऐसी ही दिल छूने वाली कहानियों और अमिताभ बच्चन के साथ खुशनुमा पलों के लिए कौन बनेगा करोड़पति 16 देखें, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर।

'मैं दिल तुम धड़कन' शो की राधिका मुथुकुमार ने कहा,'अपनों के लिए खाना बनाना, प्यार का इज़हार करने जैसा है'

मुंबई। दिल का रास्ता पेट से होकर गुज़रता है। यह कहावत शेमारू उमंग के शो 'मैं दिल तुम धड़कन' के मौजूदा ट्रैक में प्रमुखता से नजर आ रही है। शो के हाल ही के ट्रैक में वृंदा (राधिका मुथुकुमार द्वारा निभाया गया किरदार) यह कहावत सच साबित करती हैं। इन एपिसोड्स में दिखाया गया कि कैसे वृंदा अपने लाजवाब खाने से विदेशी बिजनेसमैन का दिल जीत लेती हैं, जो उनके पति केशव (ज़ोहेब) के करियर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में कई बाधाओं के बावजूद, वृंदा अपनी सूझबूझ और हुनर से उस विदेशी मेहमान को अपने खाने से प्रभावित कर देती हैं, जिससे केशव को बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिलता है।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए राधिका मुथुकुमार कहती हैं, 'मेरे पहले किरदार से लेकर अब वृंदा तक, मैंने अक्सर ऐसे किरदार निभाए हैं जो किचन से जुड़े हुए होते हैं और जिनका खाना बनाने का हुनर उनकी ताकत बनती है। खाना बनाना भारतीय महिलाओं की ज़िंदगी का अहम हिस्सा है, चाहे वे गृहिणी हों या कामकाजी महिलाएं। परिवार को दिलसे खाना पकाकर खिलाना अपने प्यार का इज़हार करने जैसा है। भले ही मेरा शेड्यूल कितना भी व्यस्त हो, मैं कोशिश करती हूं कि अपने करीबी लोगों के लिए खुद खाना बनाऊं।'

अपने किरदार वृंदा के सफर पर बात करते हुए राधिका कहती हैं, 'वृंदा अपने बेटे कान्हा के लिए हर पकवान में दिल से मेहनत करती है।

केशव से शादी के बाद उसकी जिम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, लेकिन वह पत्नी और माँ की भूमिका को निभाते हुए पूरे समर्पण से सबका दिल छू लेती है। हालिया ट्रैक में, जब उसे पता चलता है कि विदेशी मेहमान को इंडियन खाना पसंद नहीं हैं तो वह तुरंत अपने बनाए खाने को फ्यूजन डिश में बदल देती है। उसकी यह तेज़ी और कुकिंग स्किल्स बिजनेसमैन का दिल जीत लेती हैं और केशव का दिन बन जाता है। मल्टीटास्किंग करना मुझे बहुत स्वाभाविक लगता है। कभी-कभी तो मुझे कैमरे के रोल होने का एहसास भी नहीं होता, क्योंकि मैं किरदार में पूरी तरह डूब जाती हूं और अपने स्वाभाविक महिला मोड में चली जाती हूं जहाँ मैं सही निर्णय ले पाने में समृद्ध हूं।'

देखिए 'मैं दिल तुम धड़कन' सोमवार से शनिवार रात 8:30 बजे सिर्फ शेमारू उमंग पर।

नहीं थम रहा शेर का आतंक, वन एवं पुलिस विभाग कर रहे हैं निगरानी

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील अंतर्गत वन परिक्षेत्र अमरकंटक के ग्राम पंचायत लपटी में स्थित मेढाखार गांव में विगत दो दिनों से टाइगर(बाघ) डेरा जमाए हुए हैं, जो शिकार किये गये भैंस के मांस का कुछ-कुछ घंटे में आकर खा रहा है। बाघ के निरंतर विचरण पर वनविभाग के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी बाघ की निगरानी करते हुए ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। इस दौरान बाघ की गतिविधियों पर निगरानी रखे जाने हेतु ट्रेप कैमरे भी जगह-जगह लगाए गए हैं। ज्ञातव्य है कि एक दिसंबर की मध्य रात एक बाघ वन परिक्षेत्र अमरकंटक एवं पुष्पराजगढ़ तहसील के दोनिया-बिजौरी गांव के बीच कुछ राहगीरों ने देखा रहा जिसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल होने पर वनविभाग के अधिकारी व कर्मचारी रात भर गस्ती कर निगरानी कर रहे थे, तभी सोमवार

की सुबह ग्राम पंचायत लपटी के मेढाखार गांव में बीच बस्ती में ईश्वर नायक की तीन वर्ष उम्र की भैंस पर हमला कर भैंस को मृत करने बाद उसके पीछे के हिस्से का मांस खाया रहा। दिन होने तथा ग्रामीणों की भीड़ के कारण बाघ कुछ दूर पर स्थित लेन्टाना की झाड़ियों में पूरे दिन विश्राम करने बाद देर शाम अपनी भूख मिटाने के लिए फिर से मृत भैंस के शव के पास जा रहा था, तभी ग्रामीणों के हो-हल्ला करने पर फिर से वह लेंटाना की झाड़ियो में चला गया। देर रात होने पर वह फिर से मृत भैंस की शव के पास आकर उसके मांस को रात में खाता रहा है। मंगलवार की सुबह होने पर बाघ फिर से लेंटना की झाड़ियां के बीच पूरे दिन बिताने बाद शाम होते ही निकल कर मृत भैंस के शव के पास जो अरहर की झाड़ियों के बीच पड़ा हुआ है के पास पहुंचा है। बाघ के निरंतर विचरण पर वनविभाग, पुलिस विभाग तथा राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी निरंतर निगरानी कर रहे हैं, वहीं देर शाम पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने भी मेढाखार पहुंचकर बाघ के विचरण क्षेत्र का भ्रमण करते हुए स्थल का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों को बाघ से दूरी बनाए रखना स्वयं तथा अन्य लोगों को सुरक्षित रखने रात्रि समय अकेले ना घूमने की सलाह दी। इस दौरान मुख्य वन संरक्षक शहडोल वृत अजय कुमार पांडेय ने भी क्षेत्र के नागरिकों को वन्यप्राणी बाघ के विचरण क्षेत्र से दूरी बनाए रखने तथा वनविभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को निरंतर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं।

अनूपपुर पुलिस की बड़ी सफलता: एसपी के निर्देश पर साइबर टीम को मिली कामयाबी

– फरियादिया से सायबर ठगी की सम्पूर्ण राशि सायबर सेल अनूपपुर के द्वारा करायी गयी वापस

अनूपपुर। दिनांक 16.11.2024 को फरियादिया महजबी बानो पिता मुख्तार अहमद निवासी वार्ड नं. 09 अनूपपुर के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय उपस्थित होकर इस आशय की शिकायत पत्र प्रस्तुत की गयी थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा फरियादिया के भाई को पैसे देने के बहाने फरियादिया से 18,000/-रु. की ठगी कर लिया गया है। उक्त शिकायत पर पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के द्वारा गंभीरता से लेते हुए सायबर सेल अनूपपुर को त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया

गया था। जिस पर सायबर सेल अनूपपुर के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए ठगी गयी सम्पूर्ण राशि 18,000/-रु. को आवेदिका के खाते में वापस कराया गया है। उक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन, अति.पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी के मार्गदर्शन में सायबर सेल प्रभारी प्रआर.राजेन्द्र प्रसाद अहिरवार एवं पंकज मिश्रा एवं आर. राजेन्द्र केवट का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अनूपपुर पुलिस की जनता से अपील- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, एवं किसी भी अनजान व्यक्ति की बातों/लालच में आकर पैसों का लेनदेन न करें।

सायबर फ्रॉड होने पर सायबर हेल्पलाईन नं. 1930 / cyber-crime.gov.in में दर्ज कराए एवं उसकी सूचना तत्काल नजदीकी थानें/सायबर सेल को दें।

*सतर्क रहें, सजक रहें, सुरक्षित रहें।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के एडीजी एवं डीआईजी का किया सम्मान

– कार्यक्रम के दौरान एडीजी के हाथों दिव्यांगों को 500 कंबल किए भेंट

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के एडीजी सुधीर कुमार, डीआईजी दयाशंकर द्वारा बीएनपी का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बीएनपी के मुख्य महाप्रबंधक केदारनाथ महापात्रा के मुख्यातिथ्य में उज्जैन महाकालेश्वर के मुख्य पुजारी कमल गुरु, सीनियर कमांडेंट शिवरतन मीणा, असिस्टेंट

कमांडेंट कृष्ण गोपाल सोमवंशी, बीएनपी सेवा समिति के समाजसेवी नरेंद्र मिश्रा, अभिषेक अवस्थी, समाजसेवी नाना यादव, सुशील शिंदे, अनिकेत सक्सेना, लाल सिंह चौहान, इंस्पेक्टर कुर्मी के हाथों से महाकालेश्वर की तस्वीर, महाकाल का दुपट्टा, मां की चुनरी शाल, श्रीफल, पगड़ी पहनाकर पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। एडीजी सुधीर कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि मां चामुंडा महाकालेश्वर की असीम कृपा के लिए में भगवान का ऋणी हूं। आज मैं जो कुछ भी हूं वह माँ तुलजा भवानी माँ चामुंडा व महाकालेश्वर भगवान की ही कृपा है। कार्यक्रम के दौरान एडीजी सुधीर कुमार के हाथों 500 दिव्यांगों को कंबल भी भेंट किए गए। आभार उत्तम पिशाल बड़ वाले बाबा ने माना।

बांग्लादेश में हो रही हिंसा के विरोध में सर्व समाज द्वारा आज दिया जाएगा ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। बांग्लादेश में वर्तमान में जो अत्याचार चल रहे हैं, वे न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन हैं, बल्कि इनसे हमारी साझा सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्य भी आहत हो रहे हैं। इन घटनाओं में हजारों हिंदू, बौद्ध और ईसाई परिवारों को विस्थापित किया गया है और उनके धार्मिक स्थलों को तोड़ा गया है। उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक स्वतंत्रता पर हमले किए जा रहे हैं, जो न केवल बांग्लादेश के संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का उल्लंघन हैं, बल्कि हमारे समग्र मानवता के लिए भी एक खतरा हैं। यह केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह हमारी साझा सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक अस्मिता और पारस्परिक सम्मान पर भी हमला है।

देवास का सर्व समाज आशा करते हैं कि भारत सरकार इस विषय में सकारात्मक हस्तक्षेप करेगी

और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए। इसी उद्देश्य से देवास में बुधवार 4 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे सर्व समाज जिला देवास द्वारा विरोध प्रदर्शन एवं महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। इस हेतु पूरे देवास जिले के सर्व समाज के हजारों की संख्या में लोग क्लब मैदान राधागंज में एकत्रित होंगे एवं रैली के रूप में क्लब मैदान से चलते हुए भोपाल चौराहा, नहार दरवाजा, नयापुरा होते हुए जवाहर चौक पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति जी के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देंगे। इस विरोध प्रदर्शन में देवास जिले के सभी धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, व्यापारिक, व्यावसायिक, राजनीतिक एवं स्वयंसेवी संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इस प्रदर्शन हेतु कई व्यपारिक एवं व्यावसायिक संगठनों ने व्यापार बंद रखने की भी घोषणा की है।

निजी चिकित्सालयों में दर सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य

रोगियों के अधिकार और हितों का संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त ने दिए निर्देश

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। आयुक्त, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तरुण राठी ने प्रदेश के सभी निजी चिकित्सालयों (नर्सिंग होम) को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अस्पताल में प्रदायित सभी चिकित्सकीय सेवाओं की दर सूची (रेट लिस्ट) प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नागरिकों के हितों की रक्षा करते हुए उन्हें बेहतर और पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिये यह महत्वपूर्ण है। निजी चिकित्सालयों में काउंटर पर दर सूची का प्रदर्शन अनिवार्य है। रोगी या उनके परिवारजन द्वारा मांग करने पर दर सूची दिखाना अस्पताल प्रबंधन का दायित्व भी होगा। इसके अलावा, यदि किसी अस्पताल को दर सूची में संशोधन करना हो, तो इसकी लिखित सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को देना आवश्यक है। संशोधित दर सूची को भी प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा। इसका उद्देश्य रोगियों के अधिकारों की रक्षा करने और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता लाना है। यह निर्देश म.प्र. उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम, 1973 और नियम, 1997 (यथासंशोधित 2021) के नियम 17 के अनुसार जारी किए गए हैं। सभी निजी चिकित्सालयों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे इन प्रावधानों का पालन करें। आयुक्त श्री राठी ने समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इसके अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। दर सूची के बिना अतिरिक्त शुल्क लेना नियमों का उल्लंघन है, मनमानी शुल्क वसूलने की घटनाओं को रोकने के लिए सतत निरीक्षण करने के आयुक्त ने निर्देश दिये हैं।

साइकिलिस्ट काजल कुमावत राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

देवास। देवास जिला साइकिलिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष गुप्ता ने बताया कि अक्टूबर माह में आयोजित राज्य स्तरीय साइकिलिंग प्रतियोगिता में देवास की साइकिलिस्ट काजल कुमावत ने अपने आयु वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए क्वालिफाई किया था। काजल 07 दिसंबर को पुरी, उड़ीसा में आयोजित राष्ट्रीय साइकिलिंग प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना हुई। काजल मध्य प्रदेश साइक्लिंग टीम का हिस्सा होंगी।काजल पिछले दो वर्षों से प्रतिदिन साइकिलिंग की प्रैक्टिस करती आ रही है। साइकिलिंग एसोसिएशन के सचिव पवन यादव ने बताया कि काजल प्रतिदिन 30 से 50 किलोमीटर साइकिलिंग करती हैं और उनकी साइक्लिंग को और बेहतर बनाने के लिए पिछले वर्ष देवास कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने उन्हें एक रोड बाइसिकल भेंट की थी। काजल को साइकिलिंग की प्रेरणा साइकिलिस्ट आशीष गुप्ता से मिली। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने काजल को पुष्प गुच्छ भेंट कर नेशनल्स में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अध्यक्ष आशीष गुप्ता, उपाध्यक्ष अभिषेक लाठी, सचिव पवन यादव, सहसचिव चेतन राठौड़ ने काजल को शुभकामनाएं दीं और स्टेशन से रवाना किया।

विवाह, जुलूस, रैली, चल समारोह आदि में शस्त्र लेकर चलने, प्रदर्शन एवं हर्ष फायर पर प्रतिबंध

जिला दण्डाधिकारी ने प्रतिबंधात्मक आदेश किये जारी

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना जिले में प्रायः देखा गया है कि व्यक्ति शान शौकत के चलते विवाह कार्यक्रम, जुलूस, रैली चल समारोह में व्यक्ति, समूह या संगठन को शस्त्र लेकर चलने, प्रदर्शन एवं हर्ष फायर करते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अंकित अस्थाना ने विवाह कार्यक्रम, जुलूस, रैली चल समारोह में व्यक्ति, समूह या संगठन को शस्त्र लेकर चलने, प्रदर्शन एवं हर्ष फायर पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने बताया है कि हर्ष फायर से लोक परशांति भंग होती है तथा अन्य व्यक्तियों को भय एवं असुरक्षा महसूस होती है। विवाह एवं अन्य सामाजिक समारोह में कोई भी अप्रिय घटना होने का अंदेशा बना रहता है। इसलिये मुरैना राजस्व सीमा क्षेत्र अंतर्गत कानून व्यवस्था बनाये रखने अंतर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 20 नवंबर 2024 से 19 जनवरी 2025 तक शस्त्र के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करता हूं।

जिला दण्डाधिकारी ने बताया कि समस्त मैरिज गार्डन, वाटिकाओं, बैंक्वेट हॉल, होटल, धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर में न तो इस प्रकार से शस्त्रों को लेकर चलने वाले व्यक्तियों को प्रवेश करने देंगे और न ही उनके प्रदर्शन एवं हर्ष फायर की अनुमति देंगे और न ही ऐसी गतिविधि को अपने परिसर में होने देंगे। उन्होंने बताया कि समुचित सुलभ दृष्ट स्थानों पर स्पष्टतः यह लिखवाना सुनिश्चित करें कि ''यहाँ अस्त्र-शस्त्र लेकर प्रवेश वर्जित है''। समस्त मैरिज गार्डन, वाटिकाओं, बैंक्वेट हॉल, होटल, धर्मशाला इत्यादि के संचालक या प्रबंधक अपने परिसर में संबंधित से इस बाबत् अंडरटेकिंग लिए बिना कि वह अपने वैवाहिक, सामाजिक समारोह में किसी भी प्रकार के शस्त्रों का प्रदर्शन नहीं करेंगा। हर्ष फायर नहीं करेगा या इन सब गतिविधियों को नहीं होने देगा। यदि उसे अपने परिसर में ऐसे प्रदर्शन यह गतिविधि की कोई सूचना मिलती है तो तत्काल संबंधित थाना को सूचित करेगा। सूचित न करने पर संबंधित प्रबंधक, संचालक इत्यादि के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाई की जावेगी।

कलेक्टर ने बताया है कि जनसामान्य सुरक्षा व सामुदायिक एवं धार्मिक सद्भावना तथा लोक परिशांति बनाये रखने के लिए तत्काल रूप से प्रतिबन्धात्मक आदेश प्रसारित किया जाना आवश्यक है। ऐसी स्थिति में सभी प्रभावित व्यक्तियों एवं संबंधित प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिशः सूचना देकर सुना जाना संभव नहीं है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के प्रावधानों के अन्तर्गत एकपक्षीय रूप से पारित किया जाता है।

हिंदुओं की जन्मभूमि भारत है, उनकी चिंता करना सरकार की नैतिक जिम्मेदारीः राजावत

बांग्लादेश की घटनाओं के विरोध में हिन्दू समाज ने दिया ज्ञापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रही अत्याचार के विरोध में मंगलवार को सकल हिंदू समाज के नेतृत्व में मुरैना नगर में हाथों में तख्यिां लेकर रैली निकाली गई और महामहिम राष्ट्रपति के नाम एडीएम मुरैना को ज्ञापन दिया गया। रैली के बाद मारकंडेश्वर मंदिर बाजार में हुए मंच के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हाईकोर्ट खंडपीठ ग्वालियर के असिस्टेंट एडवोकेट जनरल दीपेन सिंह राजावत ने कहा के भारत में हिंदुओं द्वारा बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रही है अत्याचार के विरोध को लेकर जो आवाज उठाई जा रही है उस पर विशेष विचारधारा के लोग सवाल खड़े करते हैं। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि बांग्लादेश ही नहीं पूरी दुनिया में जहां भी हिंदू निवास करता है उनकी जन्म भूमि केवल भारत है और भारत भूमि पर जन्मे और हिंदू की संकट के समय चिंता करना भारतीय सरकार का नैतिक कर्तव्य है। इसके साथ ही सकल हिंदू समाज का नेतृत्व कर रहे समाजसेवी संगठनों और संत समाज में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर एडीएम के सम्मुख 6 सूत्रीय मांग में पढ़कर सुनाएं और सरकार द्वारा जल्द कड़े कदम उठाकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोक ले और मठ मंदिरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की बात कही। इससे पूर्व आचार्य प्रशांत शर्मा ने कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए सकल हिंदू समाज को बांग्लादेश में हो रहे मठ मंदिरों पर हमले और हिंदुओं पर अत्याचार की बात करते हुए कहा कि जब दुनिया भर में मुसलमान एकजुट होकर अपनी बात रखते हैं तो एक विचारधारा सिंडिकेट की तरह काम करने लगती है। लेकिन जब हिंदुओं की बात की जाए तो सभी उसमें तरह-तरह की प्रश्न चिन्ह खड़े कर उन्हें अलग-अलग कर विभाजित करने का काम योजना तरीके से करते हैं। सकल हिंदू समाज द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में टेकरी मंदिर के महंत महावीर दास जी महाराज, दतिया के समाजसेवी महेंद्र शर्मा, आर्य समाज मंदिर सांटा के आचार्य प्रशांत शर्मा, रवि शरण महाराज और विवेक भारती सुमावली के पास स्थित संत पहाड़ी मुख्य रूप से मंच पर उपस्थित रहे।

शासकीय कलापथक दल ने जौरा में एड्स दिवस मनाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। शासकीय कलापथक दल मुरैना द्वारा जौरा में विगत दिवस एड्स दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलापथक दल मुरैना द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी गई। कलापथक का नेतृत्व कर रहे जाकिर हुसैन ने बताया कि दूर ही रहना है, यह सबसे कहना है, एड्स की बीमारी से बच के रहना है। उन्होंने बताया कि एड्स का फुल फॉर्म ईक्वायर्ड ऐमीनो डिफिशिएंसी सिंड्रोम। एचआईवी एक वायरस है, यह वायरस जब आदमी के शरीर में प्रवेश करता है या औरत के तो यह सबसे पहले शरीर की डब्लूबीसी कम कर देता है, जो रोगों से लड़ने की क्षमता होती है। एड्स होने पर ज्यादातर लोगों को टीवी, गलसुए फूलना, कैंसर रोग होता हैं और फिर कभी ठीक नहीं होता है। इसलिए बहुत जरूरी जांच करना।

दिव्यांगों की सेवा से मन को संतुष्टि मिलती हैः आरती गुर्जर

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मानव सेवा, खासकर दिव्यांगजनों की सेवा नारायण सेवा से कम नहीं है। दिव्यांगों की सेवा करने में मन को जो संतुष्टि मिलती है, उतनी किसी और की सेवा करने से नहीं। इनके कल्याण के लिए सरकार भी बहुत कुछ कर रही है, इसलिए हर दिव्यांग को शासन की योजनाओं का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। उक्त विचार जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आरती आकाश गुर्जर ने व्हीआईपी रोड स्थित जिला दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र में विश्व दिव्याग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। इस अवसर पर भाजपा नेता लक्ष्मीनारायण हर्षाना, दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र की प्रभारी एवं डिप्टी कलेक्टर प्रतिज्ञा शर्मा, पूर्व सरपंच कन्हैयालाल गुर्जर सहित बड़ी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में बोलते हुए श्रीमती गुर्जर ने कहा कि ईश्वर ने दिव्यांगों को भले ही एक अंग कमजोर दिया हो, लेकिन उनमें तेजता, गुण बहुत अधिक होते है। ऐसे में उन्हें दिव्यांग कहकर नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि उन्होंने कई मौकों पर अपनी श्रेष्ठता साबित की है। दिव्यांगों को भी समाज में सम्मान के भाव से देखा जाना चाहिए। भाजपा नेता श्री हर्षाना ने कहा कि छोटा बनने से ही मानव बड़ा बनता है। यदि कोई दिव्यांग है तो उसकी तौहीन नही होना चाहिए। उसका आम आदमी की तरह सम्मान करना हम सबका दायित्व बनता है। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांगजनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

राज्य स्तरीय दिव्यांगजन कल्याण कार्यक्रम आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के उपलक्ष पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 04 दिसंबर को प्रातः 11:00 बजे से सामाजिक न्याय दिव्यांग जन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होगा। यह कार्यक्रम भोपाल में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के एडिटोरियल हॉल में आयोजित किया जाएगा।

चम्बल भवन में 07 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। चम्बल भवन मुरैना में ग्वालियर-चम्बल संभाग के कमिश्नर मनोज खत्री के निर्देशन में पंचायती राज के उप संचालक अशोक निम ने मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान 07 आवेदकों की समस्याओं को सुना।

उप संचालक अशोक निम ने सातों आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनकर निराकरण करने का आश्वासन दिया।

नाजायज़ संबंधों के चलते प्रेमी ने प्रेमिका के नाबालिग पुत्र को मौत के घाट उतारा

27 नवंबर को किया था अगवा, बाबा देवपुरी मंदिर के पास बीहड़ों में मिला शव

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अन्तर्गत एक कलयुगी मां ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पुत्र की हत्या करा दी। बाद में शव को चम्बल के बीहड़ों में फेंक दिया। पुलिस ने शव को बरामद करने के बाद आरोपी को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाला लोकेन्द्र कुशवाह मजदूरी का काम करता है। लोकेन्द्र का पुत्र सीताराम कुशवाह (14) बैरियर चौराहा क्षेत्र स्थित बाबा की बगिया में रफीक खान नि. अंबाह की पंचर की दुकान पर काम करता था। सीताराम को छोड़ने के लिए कई बार रफीक उसके घर तक जाता था, इसी दौरान रफीक के सीताराम की मां से नाजायज संबंध बन गए। एक दिन सीताराम ने इन दोनों को प्रेमालाप करते हुए देख लिया। इस बात को मां और उसके प्रेमी रफीक को पता चला तो उन्होंने सीताराम को ठिकाने लगाने की योजना बना डाली। योजना के तहत 27 नवंबर को रफीक बहला-फुसलाकर सीताराम को अपने साथ बाइक से चंबल के बीहड़ों में बाबा देवपुरी मंदिर के पास ले गया। जहां उसने गला घोंटकर सीताराम की हत्या की और शव को बीहड़ों में फेंककर आ गया। चरवाहों की सूचना पर सरायछौला पुलिस ने सोमवार की शाम को बीहड़ से नाबालिग सीताराम की लाश के साथ एक बाइक बरामद की। पड़ताल करने पर पता चला कि बरामद हुई लाश सीताराम की है, जो 27 नवंबर से लापता था। सिविल लाईन थाने में उसकी गुमशुदगी का मामला भी दर्ज था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद आरोपी रफीक को गिरफ्तार कर लिया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की थी।

मृतक सीताराम

रछेड़ पंचायत के दो मजरों में विधायक ने दस लाख से बनने वाली रोड का निर्माण शुरू कराया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। रछेड़ पंचायत के मजरा आवास नगर एवं मदनपुरा में विधायक निधि से 10 लाख की लागत से 150-150 मीटर की दो सीसी रोड का बजट पंचायत को प्रदान किया है, जिसका उद्घाटन अम्बाह विधायक देवेंद्र रामनरायण सखवार द्वारा किया गया। सड़क बनने से करीब 1000 की आबादी लाभान्वित होगी। विधायक ने कहा कि प्रत्येक तबके को विकसित करना ही उनकी प्राथमिकता है। उनकी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अधिकांश गांवों में सभी जर्जर मार्गों को दुरस्त कराया जा रहा है। विधायक देवेंद्र सखवार ने बताया कि उन्होंने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में क्षेत्र की जनता के बीच गांव गांव में जाकर उनकी आवश्यकता के अनुसार छोटी एवं बड़ी सड़क स्वीकृत कराने का कार्य किया है जिनमें से कुछ सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में जितनी भी गौशालाएं बंद हैं उन्हें खुलवाने के लिए उन्होंने विधानसभा भी लगाई है। इसके साथ ही जहां गौशाला नहीं है वहां पर गौशाला बनाना भी उनकी प्राथमिकता में शामिल है। विधायक ने कहा इसी तरह इलाके की कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उन्होंने पुलिस अधीक्षक से बात की है, जिससे इलाके का नागरिक भयमुक्त वातावरण में जी सके। विधायक ने कहा विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है, इसके लिए वे लगातार कार्य करते रहेंगे। सरपंच अनीता शिवाकर सिंह तोमर ने कहा कि संपूर्ण जनमानस पूर्ण निष्ठा के साथ विकास की राजनीति को अपना आधार मानकर जनप्रतिनिधियों का चयन करते हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि वह उनके सुगम एवं सुलभ जीवन की कामनाओं को साकार करें। अम्बाह विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा स्वास्थ्य सड़क सहित अन्य चहुंमुखी विकास के लिए क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र सखवार प्रयासरत् हैं। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक को गांव की कुछ अन्य समस्याओं से अवगत कराया। इस पर विधायक ने उनका जल्द समाधान कराने का आश्वासन दिया। मौके पर पंचायत सरपंच अनीता देवी, युवक कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष हिमांशु सिंह तोमर मौजूद रहे।

जनसुनवाई में 136 आवेदनकर्ताओं को सुना गया

मुरैना। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार प्रत्येक मंगलवार को पूर्वान्ह 11 से दोपहर 01 बजे तक जिला, खंड, नगरीय निकाय, पंचायत स्तर पर हर कार्यालय में जनसुनवाई करने के निर्देश हैं। निर्देशों के तहत जिला मुख्यालय पर कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देश पर अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने 136 आवेदनकर्ताओं को जनसुनवाई के दौरान सुना। आवेदनकर्ताओं को सुनने के बाद संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा कि आवेदनकर्ता की समस्या का समाधान अधिकारी शीघ्र करें। जनसुनवाई के दौरान 136 आवेदनों में से कई आवेदन गंभीर ऐसे पाये गये है, उनको उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर समझाईश दी और शिकायत का समाधान करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान संयुक्त कलेक्टर शुभम शर्मा, एसडीएम मुरैना बीएस कुशवाह, डिप्टी कलेक्टर रामनिवास सिकरवार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। इसी प्रकार अनुभाग अम्बाह में एसडीएम अरविन्द माहौर द्वारा जनसुनवाई की गई। उनके समक्ष में खण्ड स्तर के अधिकारी भी मौजूद थे। जो प्राप्त होने वाले आवेदनों को तत्परता से निराकरण करते हुये पाये गये।

सामूहिक सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

देवालय में गूंजी चौपाइयां, भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दीं

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। जेल रोड भरतपुर पर जबरेबा परिवार द्वारा जनकल्याण की कामना हेतु श्री देवालय में सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया गया। हारमोनियम, ढोलक, तबला आदि वाद्य यंत्रों के साथ भजन गायकों ने संगीत मय सुंदरकांड की चौपाईयां प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। देवालय के कीर्तन हॉल में यह सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं ने भी भाग लिया।

आयोजक बच्चू लाल गुप्ता ने बताया कि भजन गायकों द्वारा संगीतमय सुंदरकांड की प्रस्तुति दी। इसी के साथ काफी भक्तों ने भी सुंदरकांड का पाठ किया। इससे क्षेत्र में धार्मिक माहौल बन गया सुंदरकांड पाठ के उपरांत भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। सुंदर कांड का वाचन करते श्रद्धालु संगीत पर झूमते नजर आए। इस दौरान बच्चू लाल गुप्ता ने कहा कि कलियुग में भगवान का नाम लेने से ही मनुष्य भवसागर पार हो सकता है। उन्होंने कहा कि प्रभु नाम के स्मरण मात्र से ही समस्त पाप कट जाते हैं। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड बजरंगबली की अराधना है। इस पाठ को करने से बजरंगबली प्रसन्न होते हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अम्बाह में प्रदर्शन आज

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार और संत चिन्मय कृष्णा दास की अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी पर भारत में लोगों ने जगहों जगहों पर आक्रोश जताया शुरू कर दिया है, जिसे लेकर उनके साथ हो रहे अन्यायपूर्ण व्यवहार पर अब भारी संख्या में कई संगठन और कई समाज एकजुट होने लगे हैं। जिसके मद्देनजर अम्बाह सर्व समाज द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समाज पर हो रहे अत्याचार और बर्बरता को लेकर आज बुधवार दोपहर 2 बजे रेस्टहाउस पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए मुख्य मार्गों पर लोगों द्वारा मार्च निकालकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। आयोजन से जुड़े विकास शर्मा का कहना है कि जिस तरह से लगातार बांग्लादेश में आये दिनों हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के ऊपर प्रतिदिन अत्याचार, बर्बरता किया जा रहा है। जिसमें बांग्लादेश सरकार गूंगी बनी बैठी हुई है, और सर्व समाज इस प्रशंसनीय घटना से अत्यंत ही आहत हुआ है। उन्होंने कहा बांग्लादेश के सभी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगो को समान अधिकार मिले और उन पर अत्याचार वहां के कट्टरपंथी बंद करें, लोगों ने कहा कि ऐसे लोगों के ऊपर बांग्लादेश की सरकार कड़ी कार्रवाई करें। जिसे लेकर इस सर्व समाज आज शांति पूर्ण प्रदर्शन करेगा।

भारतीय किसान मित्र/दीदी मजदूर संघ ने दिया मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारतीय किसान मित्र/दीदी मजदूर संघ की जिला इकाई द्वारा गत दिवस मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया गया। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि किसान/दीदी भारत सरकार की आत्मा परियोजना के तहत कृषि विभाग में पिछले 15 वर्षों से (6000 रु. प्रतिवर्ष) से कार्य कर रहे थे, परन्तु 2018 में कांग्रेस नीति की सरकार बनी थी तो कांग्रेस सरकार ने कृषि विभाग की आत्मा योजना में कार्यरत् 27000 किसान मित्र/दीदी को संघ व भाजपा के कार्यकर्ता कहकर 31.12.2019 को कार्य से पृथक कर दिया। तब से मध्य प्रदेश के 27000 किसान मित्र/दीदी निरंतर म.प्र. सरकार से गुहार, आग्रह-निवेदन कर रहे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव से पूर्व म.प्र. सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं म.प्र. के कृषि मंत्री कमल पटेल ने पूर्ण आश्वासन दिया था कि म.प्र. में भाजपा की सरकार बनते ही सबसे पहले कांग्रेस सरकार द्वारा हटाये गये 27000 किसान मित्र/दीदी को बहाल करेंगे। ज्ञापन देने वालों में बृजराज दंडोतिया प्रदेश अध्यक्ष, धर्मेंद्र सिकरवार जिला अध्यक्ष, गबदालाल लाल कर्ण जिला मंत्री, राजेश शर्मा, देवेंद्र शर्मा जिला अध्यक्ष, बीएमएस राघवेंद्र सिंह तोमर विधि सलाहकार भारतीय मजदूर संघ, धर्मेंद्र शर्मा जिला संयोजक कृषि ग्रामीण, महेश गुर्जर, देवेंद्र हर्षाना, संजय शर्मा, भूरा धाकड़, अनिल कुमार यादव, रतिराम धाकड़, रमाशंकर शर्मा, राजेंद्र, कप्तान सिंह धाकड़, दिलीप पाठक जिला संयोजक पर्यावरण मंच, दिनेश शर्मा, सतीश जाटव, वीरेंद्र तोमर, सुंदर पाल, कुलदीप सिकरवार, भरत गुर्जर, राजवीर प्रजापति, राजेश गुर्जर, सोनेराम धाकड़, रतीराम धाकड़, प्रमोद शर्मा, शैलेंद्र शर्मा, अनिल कुमार, कोमल रामेश्वर धाकड़, जयभान धाकड़, संजय शर्मा, रमाशंकर शर्मा, गौतम धाकड़ आदि किसान मित्र शामिल हैं।

फूड विभाग ने घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग पाये जाने पर सिलेण्डरों को किया जब्त

मुरैना। कलेक्टर अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति नियंत्रक मुरैना संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग पाये जाने पर सिलेण्डरों को जब्त किया जा रहा है। कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अम्बाह उमेश चन्द्र शर्मा, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सबलगढ़ जितेन्द्र सिंह राजावत एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मुरैना सुश्री हुमा अंजुम द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग करते पाये जाने पर मैं चित्रकूट मिष्ठान भण्डार मुरैना से 02, सिकरवार होटल एण्ड रेस्टोरेंट से 01, ब्रज स्वीट्स बैरियर चौराहा से 02 श्री चित्रकूट मिष्ठान भण्डार से 01, सांवरिया मिष्ठान भण्डार से 02, कमल गजक भण्डार मुरैना से 01 एवं मां वैष्णों मिष्ठान भण्डार बस स्टेण्ड मुरैना से 02 सिलेण्डर जप्त कर रोशन इण्डेन गैस एजेंसी मुरैना की सुपुर्दगी में दिये गये। सभी होटल, रेस्टोरेंट, नास्ता सेंटर, मैरिज होम संचालकों को निर्देशित किया है कि घरेलू गैस सिलेण्डरों का उपयोग न करें। व्यवसायिक गैस सिलेण्डरों का उपयोग करें, घरेलू गैस सिलेण्डरों का दुरूपयोग पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024/53 — **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** — मुरैना, दिनांकः- 03.12.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैंः-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	14/32, नया वार्ड 38 गांधी कॉलोनी मुरैना	अजय कुमार राजौरिया, विजय कुमार, संजय, सोनू, सरोज शर्मा पुत्रगण/पुत्री स्व. भागीरथ प्रसाद राजौरिया	स्व. भागीरथ प्रसाद पुत्र रामसिंह राजौरिया	मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, विक्रय पत्र
2	141/29, नया वार्ड 33 जेल के पीछे गणेशपुरा मुरैना	राजू सिंह परमार पुत्र स्व. विजय सिंह परमार	स्व. विजय सिंह पुत्र छिद्दी सिंह परमार	मृत्यु प्रमाण पत्र, विक्रय पत्र
3	708/31	श्रीमती सीमा देवी भदौरिया पत्नी लोकेन्द्र सिंह भदौरिया, निवासी- मुरैना	मुन्नालाल उपाध्याय पुत्र श्री गणेशराम उपाध्याय	विक्रय पत्र (675 वर्गफीट)
4	104/36, नया वार्ड 37 गुरूद्वारे वाली गली गोपालपुरा मुरैना	लाखन सिंह जाटव पुत्र ग्यासीराम जाटव निवासी- गुरूद्वारे वाली गली गोपालपुरा मुरैना	कान्ता, शीला, ऊषा पुत्रियां भरोसी के बजाय श्रीमती ममता पत्नी कमलेश परमार	विक्रय पत्र, पटवारी खसरा
5	112/21, नया वार्ड 17 सब्जी मंडी रोड विप्रो टॉवर मुरैना	मनीष मंगल पुत्र बैजनाथ मंगल	विनोद शर्मा, रवि शर्मा पुत्रगण मदनमोहन शर्मा, चन्द्रशेखर उपमन्यु पुत्र स्व. बनवारी लाल शर्मा	विक्रय पत्र
6	वार्ड क्र. 15 नाला नं.1 के सहारे मुरैना	श्रीमती माधुरी वर्मा पत्नी कन्हैया लाल वर्मा	श्रीमती मिथलेश गुप्ता पत्नी मोहनलाल गुप्ता	विक्रय पत्र

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 15 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

राजस्व प्रभारी
नगर पालिक निगम, मुरैना

नवनियुक्त डीजीपी कैलाश मकवाना से वरिष्ठ पत्रकार देवेश शर्मा ने सौजन्य भेंट की

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

भोपाल। वरिष्ठ पत्रकार देवेश शर्मा द्वारा गत दिवस मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना से पुलिस मुख्यालय स्थित उनके कार्यालय में आज सौजन्य भेंट की। उन्हें मप्र पुलिस का मुखिया बनाए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार श्री शर्मा व डीजीपी कैलाश मकवाना के मध्य विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। खासकर चम्बल व ग्वालियर अंचल की कानून

व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक होगा कि पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना अपने प्रोविज़न पीरियड में मुरैना में एएसपी के पद पर पदस्थ रहे थे तथा अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अनेक उपलब्धियां अर्जित की थीं। श्री मकवाना यहां की आबोहवा से भलीभांति परिचित हैं। डीजीपी बनने से पूर्व श्री मकवाना मध्य प्रदेश में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ रह चुके हैं।

मध्यप्रदेश के डॉ. शर्मा को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से किया सम्मानित

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में छतरपुर जिले के डॉ. संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर विज्ञान भवन दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें 'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' की श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता

के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित थे।

डॉ. शर्मा पिछले 34 वर्षों से बुंदेलखंड क्षेत्र में मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए कार्यरत् हैं। अपने निजी प्रयासों और धन से वे मानसिक रोगियों को बचाने और समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का काम कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित आयुष्मान कार्ड शिविर के दूसरे दिन 125 से अधिक कार्ड बनाए गए

आज 4 व कल 5 दिसम्बर को भी चेम्बर भवन में जारी रहेगा कैम्प

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

ग्वालियर। चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स भवन में आयोजित 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड शिविर में के द्वितीय दिवस में 03 दिसंबर मंगलवार को 125 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड स्वास्थ्य विभाग एवं पोस्ट ऑफिस की टीम ने बनाए। जिन नागरिकों के आधार कार्ड में मोबाइल नंबर दर्ज नहीं था अथवा गलत या पुराना मोबाइल नंबर दर्ज था डाक विभाग के सहयोग से ऐसे 32 आधार कार्डों को अपडेट किया गया। आज के शिविर में 94 वर्ष तक आयु के वरिष्ठ नागरिकों ने आकर अपना आयुष्मान कार्ड बनवाया। इसके साथ ही निःशक्त बुजुर्गों को उनके वहां पर जाकर ही आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई। चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स में आयोजित यह शिविर आज 04 दिसंबर बुधवार को भी दोपहर 12:00 बजे से 4:00 बजे तक जारी रहेगा। इसमें 70 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के साथ ही आधार कार्ड में मोबाइल नंबर का संशोधन भी करवाया जा सकेगा।

आज सम्पन्न शिविर में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य घनश्याम दास नागवानी, आशीष अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, टोपी बाजार व्यवसायी संघ के अध्यक्ष संदीप वैश्य, चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के सदस्य मोहन गर्ग, दीपक शुक्ला, राजीव जैन, राहुल शर्मा, मनोज बंसल आदि उपस्थित रहे। शिविर में डाक विभाग से दीपू वंशकार, स्वास्थ्य विभाग की ओर से एलडीसी एमआईएस श्रीमती नीता शर्मा, अनुराधा पाराशर यशवंत भार्गव, डीईओ विवेक श्रीवास्तव, चंद्रभान नरवरिया, सहायक कुलदीप गुबरेले, ध्यान कुमारी सैनी, सपना परिहार उपस्थित थे।

खेलों से बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास होता है: लोकायुक्त एसपी राजेश मिश्रा

-जीवाजी विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय अस्मिता रग्बी लीग का पुरस्कार वितरण के साथ हुआ समापन

- दूसरे दिन 12 सीनियर टीमों के बीच हुआ रोमांचक मुकाबला, विजयी प्रतिभागियों को मिले नकद पुरस्कार

–हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज–

ग्वालियर। रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन ग्वालियर एवं जीवाजी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के फुटबाल मैदान में आयोजित दो दिवसीय अस्मिता रग्बी लीग का मंगलवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष दीपक सचेती थे। अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त राजेश मिश्रा ने की। जिला रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. केशव पाण्डेय ने अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ ही लीग की जानकारी दी। इस मौके पर प्रतियोगिता में विजयी रही टीमों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान पर रही नर्मदापुरम टीम को 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया, जबकि द्वितीय स्थान पर रही शाजापुर और तृतीय स्थान वाली देवास की सेंडी अकेडमी को क्रमशः 30 व 20 हजार रुपए नकद प्रदान किए गए।

खिलाड़ी में हो विनम्रता: मिश्रा

मुख्य अतिथि सचेती ने कहा कि खेल भावना से खेलने वाले खिलाड़ी को जीतने का मोह नहीं होता और न ही हारने पर दुःख। खिलाड़ी को किसी भी तरह के दबाव में नहीं होना चाहिए। अध्यक्षता कर रहे हैं लोकायुक्त एसपी मिश्रा ने कहा कि खेलों से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है। खिलाड़ियों को हार से निराश नहीं होना चाहिए। जीत और हार को विनम्रता से स्वीकार करना, भावनाओं को नियंत्रित करना और टीम के साथियों का समर्थन करना सच्ची खेल भावना है, जिस खिलाड़ी में यह गुण होता है वह महान बन जाता है, क्योंकि खिलाड़ियों को महान बनाती है खेल भावना। कार्यक्रम का संचालन भूपेंद्र कांत ने तथा आभार व्यक्त डॉ.केशव पाण्डेय ने किया। इस दौरान मध्य प्रदेश रग्बी फुटबाल एसोसिएशन के सचिव अबरार अहमद शेख, कार्यपरिषद सदस्य प्रदीप शर्मा, रग्बी इंडिया टूर्नामेंट मैनेजर विकास चौरसिया, ऑपरेशन मैनेजर शत्रुजीत दलाई, साईं की सीनियर कोच शर्मिला तेजावत, असिस्टेंट कोच प्रियंका अवस्थी, सीनियर क्रिकेट कोच अरुण कुमार सिंह, मध्य प्रदेश रग्बी के टेक्नीकल डायरेक्टर संदीप जाधव, डॉ. एसपी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डॉ. आदित्य भदौरिया, वर्षा शर्मा, केदारनाथ गोयल एवं राजेश सिंह कुशवाह प्रमुख रूप से मौजूद थे।

कूनो पालपुर बाड़ों से छोड़े जाएंगे दो चीते, अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस आज

ग्वालियर। नामीबिया व दक्षिण अफ्रीका के चीतों के लिए विश्व प्रसिद्ध हुआ श्योपुर जिले का कूनो नेशनल पार्क में आज बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर दो चीतों को खुले जंगल में छोडा जाएगा। इसके बाद शनै-शनै इसी प्रक्रिया की तर्ज पर अन्य चीतां को भी बाडे से निकालकर बाहर खुले जंगल में स्वच्छंद विचरण करने हेतु छोडा जाएगा। इसके बाद यहां आने वाले सैलानी घूमते हुये चीतों के दीदार कर सकेंगे।

उल्लेखनीय है कि बारिश से पूर्व सुरक्षा की दृष्टि से सभी चीतों को कूनो पालपुर में बने 10 बाडों में प्रवेश दिया गया था। बारिश के बाद से ही चीतां को खुले मैदान में छोडने के लिए वरिष्ठ वन अफ्सरों से सलाह मशविरा चल रहा था।

उसके बाद यहां आने वाले सैलानी कर सकेंगे दीदार

आखिर वह इंतजार खत्म हुआ। आज बुधवार को बाडे में पल रहे दो चीतों को छोडने भोपाल से अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल , प्रधान मुख्य वन संरक्षक होम असीम श्रीवास्तव , वाइल्ड लाइफ सीसीएफ एपीसीसीएफ शिवपुरी नेशनल पार्क , सीसीएफ उत्तम कुमार शर्मा, ग्वालियर सीसीएफ टीएस सूलिया सहित तमाम वन अधिकारी और पर्यावरण प्रेमी व चीता स्टेयरिंग कमेटी के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि दो साल से पूर्व सन 2022 के 17 सितम्बर को 8 चीता नामीबिया से जाकर कूनो में छोडा गया था। इसके बाद दूसरी खेप में दक्षिण अफ्रीका से 18 फरवरी माह वर्ष 2023 को भी 12 चीता लाकर यहां और संख्या में इजाफा किया गया था। अभी वर्तमान में 28 चीता मौजूद है। कई मादा चीतों ने ब्रीडिंग कर कई नए शावक मेहमान को जन्म दिया है। जिससे अच्छी खासी संख्या में इजाफा हो गया है।

आपने कहा

कूनो पालपुर अभ्यारण्य में सभी चीते सुरक्षित है। अंतर्राष्ट्रीय चीता दिवस पर फ्लिहाल दो चीते नर मादा को स्वच्छंद विचरण करने हेतु बाडे से निकालकर खुले जंगल में छोडा जाएगा। अन्य को भी छोडने की तैयारी पूरी है।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्पलेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435